News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-78
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

ऊचांई चौखटों की लाख बढ़ा लो...
कद तो इंसानियत से ही बढ़ता है...

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, रविवार, 23 जून 2024

सिंगल कॉलम

ग्वालियर में 8वीं मंजिल से नीचे गिरी छात्रा, हत्या या आत्महत्या?

ग्वालियर। ग्वालियर के गोला का मंदिर द लिगेसी अपार्टमेंट की 8वीं मंजिल से केन्द्रीय विद्यालय की एक छात्रा के नीचे गिरने से मौत हो गई है। छात्रा घर से दशहरा मैदान सहेली से मिलने की कहकर निकली थी, लेकिन अपार्टमेंट में पहुंच गई। यहां डांस क्लास चलती है और वहीं पर उसकी सहेली थी। ऐसा भी पता लगा है कि यहां छात्रा कुछ देर तक बैठी थी और रो रही थी। इस बारे में उसकी सहेली ने उसके पिता को फोन पर सूचना भी दी थी। साथ ही यह भी कहा था कि वह कुछ गलत कदम न उठा ले। इसके बाद उसके परिजन जब द लिगेसी अपार्टमेंट पहुंचे तब तक आठवीं मंजिल से छात्रा नीचे गिर चुकी थी। आठवीं मंजिल से गिरने के बाद उसे तत्काल हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लिया। यह हादसा है या खुदकुशी पुलिस पड़ताल कर रही है। प्रारंभिक जांच में पूरा मामला खुदकुशी का प्रतीत हो रहा है, जबकि परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। शहर के गोला का मंदिर कुंज विहार कॉलोनी फेस-2 निवासी कोमल किशोर तिवारी सेना में जवान हैं। उनकी पोस्टिंग पंजाब के अमृतसर में है। यहां कमल किशोर की पत्नी लक्ष्मी, बेटी और बेटा रहते हैं। बेटी केन्द्रीय विद्यालय से कक्षा नौवीं की छात्रा है। मां के पूछने पर उसने बताया था कि वह दशहरा मैदान के पास अपनी दोस्त मुस्कान से मिलने जा रही है। बेटी दशहरा मैदान न जाते हुए भिंड रोड धर्मवीर पेट्रोल पंप के पास द लिगेसी अपार्टमेंट में पहुंच गई। बताया जाता है कि यहां डांस क्लास में उसकी सहेली जाती है। यहां से युवती की सहेली मुस्कान ने उसके पिता को कॉल कर सूचना दी कि वह रो रही है।आप आ जाओ या किसी को भेज दो वह कुछ गलत कदम भी उठा सकती है।ऐसे में वर्षा के परिजन जब तक द लिगेसी अपार्टमेंट में पहुंचे तो छात्रा नीचे गिर चुकी थी। जब परिजन वहां पहुंचे तो युवती अपार्टमेंट के पीछे के एरिया में नीचे फर्श पर खून से लथपथ पड़ी थी। परिजन तत्काल उसे लेकर बिड़ला हॉस्पिटल पहुंचे। यहां उसका उपचार शुरू किया, लेकिन चंद मिनट बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को निगरानी में लेकर डेड हाउस पहुंचा दिया गया है। छात्रा के शव का पोस्टमार्टम चल रहा था। घटना स्थल पर पहुंचकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस पता लगा रही है कि छात्रा के साथ कोई हादसा हुआ है या उसने द लिगेसी अपार्टमेंट की आठवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या की है। पुलिस की प्रारंभिक पड़ताल और अभी तक का सीन यही इशारा कर रहा है कि छात्रा किसी बात पर दुखी थी। जैसा उसकी फ्रेंड ने भी बताया है कि वह रो रही थी। वह किस बात को लेकर वह दुखी थी, उसी के चलते उसने अपार्टमेंट की आठवीं मंजिल की बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिरकार डांस क्लास पहुंचकर सहेली से मिलने के बाद छात्रा रो क्यों रही थी। यह बात स्पष्ट नहीं है। मुस्कान ने पुलिस को यह भी बताया है कि पहले उसे छात्रा का एक मैसेज आया था, जिसमें ह्यगुड बायह्ल लिखा हुआ था। इस पर उसने रिप्लाई कर पूछा कि ऐसा क्यों लिख रही है तो उसका कहना था कि मेरा कोई दोस्त नहीं है। अब पुलिस यही पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आखिरकार छात्रा और उस लड़की के बीच में क्या था। क्यों छात्रा उसके पास पहुंची और रो रही थी। इस पूरे मामले में पुलिस जाँच में जुटी है।

पेपर लीक हुआ तो जिम्मेदार को 10 साल की जेल, 1 करोड़ रुपए तक जुर्माना

भर्ती परीक्षाओं में नकल और अन्य गड़बड़ियां रोकने के लिए देश में एंटी-पेपर लीक कानून लागू, नोटिफिकेशन जारी

नई दिल्ली। देश में एंटी-पेपर लीक कानून यानी पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 लागू हो गया है। केंद्र ने शुक्रवार (21 जून) की आधी रात इसका नोटिफिकेशन जारी किया। यह कानून भर्ती परीक्षाओं में नकल और अन्य गड़बड़ियां रोकने के लिए लाया गया है। इस कानून के तहत, पेपर लीक करने या आंसर शीट के साथ छेड़छाड़ करने पर कम से कम 3 साल जेल की सजा होगी। इसे 10 लाख तक के जुर्माने के साथ 5 साल तक बढ़ाया जा सकता है। परीक्षा संचालन के लिए नियुक्त सर्विस प्रोवाइडर अगर दोषी होता है तो उसे 5 से 10 साल तक की जेल की सजा और 1 करोड़ रुपए तक जुर्माना होगा। सर्विस प्रोवाइडर अवैध गतिविधियों में शामिल है, तो उससे परीक्षा की लागत वसूली जाएगी। नीट और वक्ष्ठ-ठएळ जैसी परीक्षाओं में गड़बड़ियों के बीच यह कानून लाने का फैसला बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे पहले, केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों के पास परीक्षाओं में गड़बड़ी से जुड़े अपराधों से निपटने के लिए अलग से कोई ठोस कानून नहीं था।

केंद्र सरकार का नोटिफिकेशन...

राष्ट्रपति ने 12 फरवरी को कानून को मंजूरी दी थी पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, इसी साल 6 फरवरी को लोकसभा और 9 फरवरी को राज्यसभा से पारित हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 12 फरवरी को बिल को मंजूरी देकर इसे कानून में बदल दिया। इस कानून में संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे भर्ती बोर्ड, बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की परीक्षाएं शामिल होंगी। केंद्र के सभी मंत्रालयों, विभागों की भर्ती परीक्षाएं भी इस कानून के दायरे में होंगी। इसके तहत सभी अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती होंगे।

क्या है एंटी पेपर लीक कानून, किन परीक्षाओं पर होता है लागू

भर्ती परीक्षाओं में नकल और अन्य गड़बड़ियां रोकने और उनसे निपटने के लिए अब तक केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों के पास कोई ठोस कानून नहीं था। इसी कारण अक्सर पेपर लीक की घटनाएं होती रहती हैं। हाल ही में नीट परीक्षा को लेकर विवाद चल रहा है और यूजीसी नेट परीक्षा को आयोजित होने के एक दिन बाद ही रद्द कर दिया गया। इसके बाद, कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने 21 जून की रात इस कानून की अधिसूचना जारी की। इस कानून के तहत, पेपर लीक करने या आंसर शीट के साथ छेड़छाड़ करने पर कम से कम 3 साल जेल की सजा होगी। इसे 10 लाख तक के जुर्माने के साथ 5 साल तक बढ़ाया जा सकता है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों के अनुसार कारावास की अतिरिक्त सजा दी जाएगी।

....तो परीक्षा की लागत वसूली जाएगी

परीक्षा संचालन के लिए नियुक्त सर्विस प्रोवाइडर अगर दोषी होता है तो उस पर 1 करोड़ रुपये तक जुर्माना होगा। सर्विस प्रोवाइडर अवैध गतिविधियों में शामिल है, तो उससे परीक्षा की लागत वसूली जाएगी। साथ ही, सेवा प्रदाता को 4 साल की अवधि के लिए किसी भी सार्वजनिक परीक्षा के संचालन की जिम्मेदारी से भी रोका जा सकता है। यदि कोई संस्था संगठित अपराध करने में शामिल है, तो उसकी संपत्ति कुर्की और जब्ती के अधीन होगी और परीक्षा की आनुपातिक लागत भी उससे वसूली जाएगी।

अधिकारी दोषी पाए जाने पर प्रावधान

यदि अपराध किसी निदेशक, वरिष्ठ प्रबंधन या सेवा प्रदाता फर्म के प्रभारी व्यक्तियों की सहमति या मिलीभगत से किया गया है, तो उन्हें तीन से 10 वर्षों की जेल और एक करोड़ रुपये जुर्माना से दण्डित किया जा सकता है।

एक दिन पहले लीक हुआ एमपीपीएससी का पेपर

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने सोशल मीडिया पर पेपर लीक की खबरों को बताया भ्रामक

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य प्रशासनिक सेवा (एमपीपीएसी) की परीक्षा के एक दिन पहले पेपर लीक होने का मामला सामने आ गया है। हालांकि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की तरफ से सोशल मीडिया पर पेपर लीक की खबरों को भ्रामक और निराधार बताया है। साथ ही तय तारीख और समय पर परीक्षा होने की जानकारी दी है। दरअसल एमपीपीएससी के सोशल मीडिया पर वायरल पेपर में दावा किया जा रहा है कि 100 प्रतिशत प्रश्न सटीक है। इसका पेपर ढाई हजार रुपए में बेचा जा रहा है। इसमें दावा किया जा रहा है कि ग्रुप में भेजे गए क्यूआर कोड में पेमेंट करते ही प्रश्न पत्र भेज दिया जाएगा। इसके सोशल मीडिया पर स्क्रीनशॉट वायरल हो रहे हैं। इसमें पेपर खरीदी-बिक्री की बात हो रही है। इसकी जानकारी मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के सचिव ने एक बयान जारी कर कहा कि कुछ प्रचार माध्यमों से भ्रामक और निराधार खबरें प्रसारित की जा रही हैं। एमपीपीएससी की परीक्षा की गोपनीयता और सुचिता के संबंध में संबंधित खबरों को संज्ञान में न लें, ना ही उन्हें प्रसारित करें। उन्होंने आगे लिखा कि एमपीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा निर्धारित तारीख को तय समय पर पूरे दिशा निर्देशों का पालन करते हुए ही आयोजित होगी। साथ ही उन्होंने ऐसे भ्रामक जानकारी को शेयर करने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी जारी की है।

बता दें रविवार को 110 पदों के लिए एमपीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा आयोजित हो रही है।

इसमें 15 डिप्टी कलेक्टर, 22 डीएसपी, 10 पद वाणिज्यिक कर निरीक्षक और 7 पद अतिरिक्त सहायक विकास आयुक्त और अन्य पद हैं। यह परीक्षा दो सत्रों में 55 जिला/संभाग के केंद्रों पर आयोजित होगी। इसमें पहला पेपर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक और दूसरा पेपर 2.15 बजे से 5.15 बजे तक होगा। इस परीक्षा में 1.83 लाख अभ्यर्थी बैठेंगे।

मुख्यमंत्री समझकर संबोधन देने लगे शिवराज, फिर बोले अब तो कृषि मंत्री

हंसते हुए शिवराज ने कहा 20 साल तक सीएम रहा हूं शायद इसलिए आदत को सुधारने में थोड़ा वक्त लगेगा, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

नई दिल्ली। शिवराज सिंह चौहान देश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री हैं। करीब 20 साल तक वह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं, लेकिन अभी भी वह अपने पुराने पद को शायद नहीं भूले हैं। नई दिल्ली में आईसीएमआर के कार्यक्रम में शिवराज संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने खुद को मुख्यमंत्री कहकर संबोधित कर दिया लेकिन तुरंत वह ठहर गए।

हंसते हुए शिवराज ने कहा कि 20 साल तक सीएम रहा हूं, शायद इसलिए आदत को सुधारने में थोड़ा वक्त लगेगा। इस दौरान हॉल में मौजूद अधिकारी ठहाके मारकर हंसने लगे। संबोधन के अंत में शिवराज खुद हंस पड़े और कहा कि मैं खुद को बार-बार मुख्यमंत्री बोल रहा हूं, आदत धीरे-धीरे जाएगी। कार्यक्रम के दौरान शिवराज चौहान ने कहा, मैं सूची बनवा रहा था कि और

किस किस से मिलूं? आप सबसे बात करना चाहता हूं क्योंकि मुख्यमंत्री को हर विषय की जानकारी नहीं होती। इतना बोलते ही शिवराज को समझ आया कि वो अब कृषि मंत्री हैं। फिर उन्होंने आगे कहा, मुख्यमंत्री नहीं कृषि मंत्री। चार बार का सीएम रहा हूं। बीस-इक्कीस साल रहा हूं तो कुछ दिन तो लगेंगे भूलने में। वहां भी मुझे गुमान नहीं था कि हम ही सबकुछ जानते हैं।

कार्यक्रम में शिवराज सिंह चौहान ने कहा, हमें कृषि को आगे ले जाना है और किसानों का कल्याण सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री का विजन ही हमारा मिशन है। जिस दिन से मैं कृषि मंत्री बना हूं, दिन-रात यही सोचते रहते हैं कि इसे बेहतर कैसे किया जाए। शिवराज ने कहा कि हम मिलकर कोई ऐसा रोड मैप बना लें, जिसपर चलकर न केवल भारतीय कृषि और किसान का कल्याण हो सके बल्कि हम भारत को दुनिया का फूड बास्केट बना दें। दुनिया को अन्न खिलाए और एक्सपोर्ट करें।

कृषि के परिदृश्य को बदलना मेरी जिद- शिवराज चौहान

किसानों के हित की बात करते हुए शिवराज ने कहा, हमारे यहां 86% किसान स्मॉल मार्जिनल किसान हैं। हमको खेती का मॉडल ऐसा बनाना पड़ेगा कि किसान एक हेक्टेयर तक की खेती में अपनी आजीविका ठीक से चला सकें। कृषि के परिदृश्य को पूरी तरह से बदलना मेरी जिद है।

जीएसटी काउंसिल ने कई मामलों में दी राहत, सभी दूध के डिब्बों पर 12 प्रतिशत की एक समान दर की सिफारिश

रेलवे प्लेटफॉर्म टिकट होगा सस्ता, जीएसटी से मिली छूट

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) काउंसिल की 53वीं मीटिंग के नतीजे जारी कर दिए गए हैं। मीटिंग के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि भारतीय रेलवे द्वारा दी जाने वाली प्लेटफॉर्म टिकट, बैटरी वाली कार सर्विस जैसी सेवाओं को जीएसटी से छूट दी गई है। इसका मतलब है कि आने वाले दिनों में रेलवे प्लेटफॉर्म टिकट समेत अन्य सेवाएं सस्ती हो जाएंगी। वहीं, जीएसटी काउंसिल ने सभी दूध के डिब्बों पर 12 प्रतिशत की एक समान दर की सिफारिश की है। वित्त मंत्री ने कहा कि काउंसिल ने सभी दूध के डिब्बों यानी स्टील, लोहा, एल्यूमीनियम पर 12 प्रतिशत की एक समान दर निर्धारित करने की सिफारिश की। काउंसिल ने सभी कार्टन बॉक्स और डिब्बों पर 12 प्रतिशत की एक समान जीएसटी दर निर्धारित करने की भी सिफारिश की है। इससे विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के सेब उत्पादकों को मदद मिलेगी। वहीं, फायर वॉटर स्प्रिंकलर सहित

सभी प्रकार के स्प्रिंकलर पर 12% जीएसटी लगेगा। इसी तरह, जीएसटी काउंसिल ने शैक्षणिक संस्थानों के बाहर छात्रावास के रूप में दी जाने वाली सेवाओं के लिए प्रति व्यक्ति प्रति माह 20,000 रुपये की छूट दी है।

राष्ट्रीय स्तर पर बायोमेट्रिक आधारित आधार प्रमाणीकरण की शुरुआत वित्त मंत्री के मुताबिक राष्ट्रीय स्तर पर बायोमेट्रिक आधारित आधार प्रमाणीकरण की शुरूआत की जाएगी। इससे फर्जी चालान के जरिए किए गए धोखाधड़ी वाले इनपुट टैक्स क्रेडिट दावों से निपटने में मदद मिलेगी। इसके अलावा सोलर कूकर पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगाने को मंजूरी दे दी गई है। वहीं, जीएसटी अधिनियम की धारा 73 के तहत जारी किए गए डिमांड नोटिस के लिए ब्याज और जुमार्ना माफ करने की सिफारिश की गई है। जीएसटी काउंसिल ने टैक्स अधिकारियों के अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील दायर करने के लिए 20 लाख रुपये, हाईकोर्ट के लिए 1 करोड़ रुपये और सुप्रीम कोर्ट के लिए 2 करोड़ रुपये की सीमा की सिफारिश की है।

फर्टिलाइजर पर भी राहत के संकेत जीएसटी काउंसिल ने दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए फर्टिलाइजर पर जीएसटी कम करने का अनुरोध जीओएम को भेजा है।

15 मिनट से ज्यादा लेट हुए तो लगेगा हाफ डे

सरकारी बाबुओं की ऑफिस में लेटलतीफी अब नहीं चलेगी

नई दिल्ली। सरकारी बाबुओं की ऑफिस में लेटलतीफी अब नहीं चलेगी। दरअसल केंद्र सरकार ने देर से ऑफिस आने वाले सरकारी बाबुओं पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार ने नया आदेश देते हुए साफ कह दिया कि सरकारी कर्मचारियों को ज्यादा से ज्यादा दफ्तर में 15 मिनट लेट आने की ही परमिशन होगी। अगर कोई 15 मिनट से ज्यादा लेट होता है तो उसको हाफ डे लग जाएगा।

केंद्रीय कर्मचारियों को अब सुबह 9.15 मिनट तक दफ्तर पहुंचने की आदत डालनी पड़ेगी अगर वो इस समय तक अपने ऑफिस नहीं पहुंचते हैं और बायोमेट्रिक सिस्टम से पंच नहीं लगाते हैं तो उनका हाफ डे लगा दिया जाएगा। टाइम पर पहुंचने का ये नियम सीनियर जूनियर सभी पर लागू होगा। कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि उनके काम करने का कोई निश्चित समय नहीं है क्योंकि वे आम तौर पर शाम 7 बजे के बाद दफ्तर छोड़ते हैं। इसके अलावा, उनका यह भी कहना है कि कोविड के बाद से, इलेक्ट्रॉनिक फाइलों की उपलब्धता के साथ वे अक्सर घर से काम करते हैं, यहां तक कि छुट्टियों में भी।

छुट्टी लेने से पहले कर्मचारियों को पहले बताना होगा

कार्मिक मंत्रालय की तरफ से जारी आदेश में साफ कहा गया है कि अगर कर्मचारी किसी दिन ऑफिस नहीं आ पा रहा है तो उसे पहले अपने सीनियर को इसकी जानकारी देनी होगी। वहीं अगर कोई इमरजेंसी आई तो छुट्टी के लिए भी आवेदन करना होगा। उसके बाद ही उन्हें छुट्टी दी जाएगी। बता दें कि केंद्रीय सरकारी कार्यालय सुबह 9 बजे से शाम 5-30 बजे तक खुले रहते हैं, लेकिन जूनियर स्तर के कर्मचारियों के लिए देर से आना और जल्दी निकल जाना आम बात है, यहां तक कि जनता से जुड़े कार्यों वाले कर्मचारी भी ऐसा करते हैं, जिससे लोगों को असुविधा होती है।

बायोमेट्रिक अटेंडेंस लगाना जरूरी

कोरोना महामारी के दौरान बायोमेट्रिक अटेंडेंस लगाना बंद कर दिया गया था लेकिन पिछले साल केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के लिए फिर से इसे चालू कर दिया है। हालांकि उसके बाद भी काफी कर्मचारी इसका इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। ऐसे में अब बायोमेट्रिक सिस्टम से अटेंडेंस लगाना जरूरी कर दिया गया है। इसके जरिए अटेंडेंस लगाने से पता चलता है कि कौन सा कर्मचारी ऑफिस टाइम पर आया है और कौन लेट आया है।

सिंगल कॉलम

सूदखोरों से परेशान रिटायर्ड शिक्षक ने जहर खाकर दी जान

इंदौर। लसूड़िया इलाके में एक रिटायर्ड शिक्षक ने जहर खाकर जान दे दी। उन्होंने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें परेशान करने वाले सूदखोरों के नाम लिखे हैं। लसूड़िया पुलिस के अनुसार मृतक का नाम नारायण तारे निवासी स्कीम नंबर 78 है। करीब 3 साल पहले वह शिक्षक के पद से रिटायर हुए हैं। उन्होंने जहर खाकर खुदकुशी कर ली। एक सुसाइड नोट उनके पास से मिला है जिसमें कमलेश व अन्य सूदखोरों के नाम लिखे हैं। सुसाइड नोट में लिखा है कि सूदखोरों से लिया पैसा लौटा चुके हैं। इसके बावजूद उन्हें परेशान किया जा रहा था। पुलिस ने मामले में जांच की बात कही है।

सेंट्रल जेल से पैरोल पर गया कैदी फरार, केस दर्ज

इंदौर। इंदौर में 14 दिन की सामान्य पैरोल पर घर गया आरोपी बंदी वापस सेंट्रल जेल नहीं लौटा। उसे शुक्रवार को जेल आना था। अधिकारियों ने जब उसके घर वालों से बात की तो पता चला उसे बदनावर से बस में बैठाया गया था लेकिन इसके बाद वो कहां गया इसकी जानकारी उन्होंने भी नहीं है। अधिकारियों ने आरोपी बंदी के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। एमजी रोड थाना पुलिस के मुताबिक बंदी मलसिंह रूपगढ़ थाना थांदला जिला झाबुआ के खिलाफ केस दर्ज किया है। 30 वर्षीय आरोपी बंदी दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहा है। आरोपी बंदी को सेंट्रल जेल से पैरोल पर रिहा किया गया था। छुट्?टी के बाद उसे फिर से जेल आना था लेकिन आरोपी बंदी जेल नहीं आया और फरार हो गया। सेंट्रल जेल प्रबंधन ने जब आरोपी के घरवालों से बात की तो उन्होंने बताया कि बस में मलसिंह को बैठा दिया था। बदनावर में बस में बैठाने के बाद परिजन घर चले गए लेकिन आरोपी बंदी इंदौर सेंट्रल जेल नहीं आया।

ईयर फोन लगाकर पटरी पर चल रहा था युवक, ट्रेन की टक्कर से मौत

इंदौर। ईयर फोन लगाकर मोबाइल चला रहा युवक शुक्रवार दोपहर दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया। वह मोबाइल में इतना मगन था कि पीछे से तेज रफ्तार मालवा एक्सप्रेस का हॉर्न भी नहीं सुन सका। आखिरकार वह ट्रेन से टकराया और उसकी मौत हो गई। जीआरपी थाने के हेड कांस्टेबल अनिल जायसवाल के अनुसार मृतक की पहचान 26 वर्षीय शुभम पिता संतोष पावेड़ी निवासी बाणगंगा के रूप में हुई है। वह मजदूरी करता था, जबकि पिता प्लमर हैं। घटना दोपहर 1 बजे रेलवे ट्रैक की है। जायसवाल ने बताया युवक ने ईयर फोन लगा रखा था। इस दौरान पीछे से मालवा एक्सप्रेस तेजी से आई। उसके ड्राइवर ने कई बार हॉर्न बजाकर उसे हटाने का प्रयास किया, लेकिन उसे कुछ सुनाई नहीं दिया। तेज रफ्तार के कारण सुरक्षा के मद्देनजर ड्राइवर ट्रेन को रोक नहीं सकता था, इस वजह से हादसा हो गया। हेड कांस्टेबल के अनुसार घटना की सूचना पर टीम वहां पहुंची। युवक के शव के पास ही ईयर फोन, उसका कवर और मोबाइल भी मिला है। ड्राइवर ने कहा उसने कई बार हॉर्न बजाया, लेकिन वह सुन नहीं रहा था। उधर, पुलिस ने उसका पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजन को सौंप दिया। वे उसे राजस्थान के अपने पैतृक गांव ले गए हैं।

इंदौर निगम घोटाले में एक और ठेकेदार गिरफ्तार

इंदौर। नगर निगम घोटाले में आरोपी बने एक और फरार ठेकेदार राजेंद्र शर्मा को एमजी रोड पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अपनी फर्म आरएस कंस्ट्रक्शन के मार्फत उसने फर्जी बिल की 1 करोड़ रुपए की फाइल लगा ली थी। आरोपी ने यह भी कबूला कि उसने दूसरे ठेकेदारों के साथ काम किया था और उसके हिस्से में 15 प्रतिशत पैसा ही आया है। मालूम हो, घोटाले में अब तक दर्जनभर आरोपियों के नाम सामने आ चुके हैं। 10 से ज्यादा गिरफ्तार हो चुके हैं।

इंदौर में बसों से लगने वाले जाम से मिलेगा छुटकारा

इंदौर। इंदौर शहर में अलग-अलग स्थानों से संचालित होने वाली लंबी दूरी की बसों को अब बाहर किया जाएगा। इतना ही नहीं, शहर में बनाए गए उनके बस अड्डे भी शहर से बाहर होंगे। यातायात सुधार को लेकर जिला प्रशासन ने यह बड़ा निर्णय लिया है। शहर के मध्य क्षेत्र से संचालित होने वाली इन बसों को नायता मुंडला स्थित आईएसबीटी से चलाने का विकल्प भी जिला प्रशासन ने दिया है। यहां से बस चलाने के लिए संचालक तैयार नहीं होते हैं, तो शहर के बाहर अन्य स्थान से बसों का संचालन कर सकते हैं। यातायात में बाधक बन रही निजी बसें और बस अड्डे शहर से बाहर होंगे। कलेक्टर आशीष सिंह ने निजी बस संचालकों के साथ बैठक कर उक्त निर्णय के बारे में जानकारी देने के लिए परिवहन विभाग और यातायात विभाग को जिम्मेदारी सौंपी है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को बस संचालकों की बैठक बुलाई थी। इसमें प्रशासन के निर्देश की जानकारी देते हुए जल्द ही बसों का संचालन शहर से बाहर करने से अवगत कराया।

एआईसीटीएसएल बसों के ड्राइवर और कंडक्टर की मनमानी से लोग परेशान

किराए के बदले नहीं मिल रहा टिकट पास के बजाय कंडक्टर मांगते हैं पैसे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में एआईसीटीएसएल बसों के ड्राइवर और कंडक्टर की कई शिकायतें मिल रही हैं लेकिन उनका समाधान नहीं हो रहा है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि किसी रूट पर यात्रियों से पैसे लेकर उन्हें रसीद नहीं दी जा रही तो किसी रूट पर स्टूडेंट पास को भी नहीं लिया जा रहा। छात्रों से स्टूडेंट पास की जगह पैसे मांगे जा रहे हैं और कहा जा रहा है कि यह पास अब नहीं चलते। इस तरह की शिकायतें सीएम हेल्पलाइन में भी की गई हैं। एआईसीटीएसएल की बसों में प्रतिदिन दो लाख से अधिक यात्री यात्रा करते हैं। इंदौर में हेल्पिंग हैंड नाम का ग्रुप चलाने वाले सामर्थ आहूजा ने बताया कि हमारे पास इंदौर में एआईसीटीएसएल की आईबस और सिटी बस की कई शिकायतें आ चुकी हैं। हमने कई बार एआईसीटीएसएल के अधिकारियों से इसकी शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती हैं। समर्थ आहूजा ने बताया कि मैंने खुद सीएम हेल्पलाइन में इसकी शिकायत की थी लेकिन उसे फोर्स क्लोज कर दिया गया। इंदौर में एआईसीटीएसएल के द्वारा सिटी बस के लिए कई तरह के पास की सुविधा दी जाती है। इनमें जनरल, स्टूडेंट पास, दिव्यांग पास अलग अलग तरह की कैटेगिरी हैं। एक महीने और तीन महीने के पास बनते हैं। एक बार बने इन पास के बाद में एक से तीन महीने तक टिकट नहीं लगता है। पास के अलग अलग प्लान हैं। लाखों छात्र और दिव्यांग इन पास का उपयोग करके शहर में इधर से उधर जाते हैं। इन बसों के ड्राइवर कंडक्टर कई बार पास लेने से मना कर देते हैं और छात्रों और दिव्यांग जन से पैसे मांगते हैं।

शाम के समय ज्यादा शिकायतें

सामर्थ ने बताया कि शाम के समय अधिकतर ड्राइवर और कंडक्टर इस तरह यात्रियों को परेशान करते हैं। इस समय एआईसीटीएसएल के सुपरवाइजर नहीं रहते और अन्य अधिकारियों द्वारा जांच का खतरा भी नहीं रहता है। इस कारण शाम 7 बजे के बाद यात्रियों को ज्यादा परेशान किया जाता है।

इन सभी रूट पर मिल रही हैं शिकायतें

सामर्थ ने बताया कि रूट क्रमांक 5, 27

और ए3 में शाम सात बजे के बाद बस में पास को नहीं लिया जाता है। इसी तरह की शिकायत पहले ट-27, ए-3 रूट पर मिली थी। इसे लेकर हमने एआईसीटीएसएल अधिकारी संदीप त्रिवेदी को अवगत कराया पर कुछ निराकरण नहीं किया गया। ट-27 के गाड़ी के मालिक हरप्रीत से बात हुई तो उन्होंने कहा कि उचित कार्यवाही की जाएगी। इसके बाद हमने एआईसीटीएसएल कंट्रोल रूम को सूचित किया गया और कम्प्लेंन नंबर देने का कहा गया परंतु कम्प्लेंन दर्ज भी नहीं हुई और ना ही कम्प्लेंन नंबर दिया गया।

सीएम हेल्पलाइन से कंट्रोल रूम तक शिकायत की

सामर्थ ने बताया कि 2022 में मैंने उट लएछढछकठए में शिकायत की लेकिन जून 2024 तक इसे नहीं सुलझाया गया। इसी तरह 16 नंबर रूट में भी शिकायत मिली और वहां पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। समर्थ ने बताया कि कंट्रोल रूम प्रभारी धर्मेंद्र, पवन और अजय को सूचित किया गया लेकिन उन्होंने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की और मुझे वाट्सएप पर भी ब्लाक कर दिया।

फोन पर नहीं बता सकता, दफ्तर आकर बात करिए

सीएम हेल्पलाइन फोर्स क्लोज करने के मामले में मैं आपको फोन पर कोई जानकारी नहीं दे सकता। आप दफ्तर आकर बात कर सकते हैं।

– धर्मेंद्र गायकवाड़, सीएम हेल्पलाइन कम्पलेन इंचार्ज, एआईसीटीएसएल

शिकायत मिलेगी तो हम तुरंत कार्रवाई करेंगे

एआईसीटीएसएल के पास रोज के दो लाख यात्री हैं। बड़ी संख्या में ड्राइवर कंडक्टर काम करते हैं। हमें कई तरह की शिकायतें आती हैं और हम तुरंत एक्शन लेते हैं। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर भी तुरंत कार्रवाई की जाती है। ड्राइवर और कंडक्टर को एक दो बार चेतावनी देते हैं यदि फिर भी शिकायतें आती हैं तो रूट से हटा देते हैं। आपने शिकायतों की जो जानकारी दी है मैं उसे दिखवाता हूं।

– संदीप त्रिवेदी, ऑपरेशनल डिपार्टमेंट, एआईसीटीएसएल

सीएम ने जनप्रतिनिधियों के सुझावों पर अमल करने के दिए निर्देश, जल्द होगा सर्वे

सिंहस्थ मेले से पहले इंदौर से उज्जैन तक मेट्रो दौड़ाने की तैयारी

इंदौर। इंदौर से उज्जैन तक मेट्रो ट्रेन चलाने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुहर लगा दी है। सिंहस्थ 2028 से पहले यह काम पूरा हो जाएगा। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ समीक्षा बैठक में यह फैसला लिया गया। इंदौर से उज्जैन के बीच मेट्रो ट्रेन के संचालन के लिए सर्वे जल्द शुरू होगा। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर के रूट को लेकर जनप्रतिनिधियों ने जो सुझाव दिए हैं। उस पर भी अमल करने के निर्देश मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बैठक में दिए हैं।

इंदौर में मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर हुई समीक्षा के दौरान मंत्री विजयवर्गीय ने इंदौर से उज्जैन के बीच मेट्रो के संचालन के सवाल कहा था कि इस रूट को लेकर विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद ही इस पर कोई बात हो पाएगी। शनिवार को इस रूट पर सहमति बन गई। अब इंदौर से उज्जैन के बीच 50 किलोमीटर लंबे मेट्रो ट्रेक के निर्माण के लिए सर्वे होगा। तीन साल बाद लगने वाले सिंहस्थ मेले के पहले इसका संचालन शुरू हो सकता है। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी इंदौर से उज्जैन के बीच मेट्रो ट्रेन चलाने की घोषणा विधानसभा चुनाव के इंदौर में मेट्रो के ट्रायल रन के दौरान की थी।

इंदौर से उज्जैन की राह होगी आसान

इंदौर से उज्जैन की दूरी 50 किलोमीटर है। पिछले सिंहस्थ मेले के समय इंदौर से उज्जैन के बीच फोरलेन सड़क बनी थी। जिसे अब सिक्सलेन किया जा रहा है। इसके अलावा रेल मंत्रालय इंदौर से उज्जैन

के बीच वंदे मेट्रो का संचालन करेगा। इसकी मंजूरी भी केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पूर्व में दे चुके हैं। इसके अलावा हातोद से अजनोद, फतेहाबाद होते हुए उज्जैन तक एक नया मार्ग भी बनाया जाएगा।

फिजिबिलिटी सर्वे हो चुका

उज्जैन तक मेट्रो चलाने के लिए फिजिबिलिटी सर्वे हो चुका है। प्रदेश की बात करें तो मेट्रो से जुड़े इंदौर, भोपाल के बाद उज्जैन तीसरा शहर होगा। मेट्रो के लिए इंदौर में 25 और भोपाल में 27 ट्रेनों को संचालन विभिन्न रूट्स पर किया जाएगा। इंदौर में 31.3 किलोमीटर में काम चल रहा है। जबकि भोपाल में कुल 16.7 किमी का काम होना है। समीक्षा बैठक के बाद जानकारी दी गई कि इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में मेट्रो के साथ वंदे मेट्रो, रोपवे, इलेक्ट्रिक-बस और केबल-कार जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी। उज्जैन से ओंकारेश्वर रूट, भोपाल से इंदौर, जबलपुर से ग्वालियर के लिए भी विचार किया जा रहा है।

वंदे मेट्रो सर्किल ट्रेन चलेंगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से हाल ही में हुई चर्चा के अनुसार मध्यप्रदेश में विभिन्न नगरों के लिए वंदे मेट्रो चलाने पर सहमति हुई है। पुरानी मेट्रो के स्थान पर वंदे मेट्रो सर्किल ट्रेन अच्छा प्रयास है।

मेट्रो ट्रेन में यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

ट्रेन में एयर कंडिशनिंग, ग्रैब पोल और ग्रैब हैंडल, बैठक व्यवस्था, मार्ग-दर्शिका, अनाउंसमेंट, कैमरा एवं मोबाइल चार्जिंग पाइंट, आपातकालीन संचार प्रणाली, आपातकालीन निकासी द्वार, धुआं/आग डिटेक्शन शामिल हैं। महिलाओं, दिव्यांग जन के लिए विशेष सुविधा के अलावा शिशु देखभाल कक्ष भी रहेगा।

एमआईसी बैठक में हल्ला मचने के बाद निगमायुक्त ने जारी किए रिलीव करने के आदेश

मार्च में ही हो गया था घोटाले की एफआईआर कराने वाले कार्यपालन यंत्री का तबादला

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर नगर निगम में हुए 100 करोड़ के घोटाले का मामला फिर गरमा गया है। इस घोटाले के मामले में अब तक दस लोग गिरफ्तार हो चुके है। घोटाले की एफआईआर एमजी रोड थाने में दर्ज कराने वाले कार्यपालन यंत्री सुनील गुप्ता के बारे में नया खुलासा हुआ है।

घोटाला उजागर होने से पहले मार्च में ही उनका तबादला मुरैना हो गया था,लेकिन उन्हें रिलीव नहीं किया गया था। शुक्रवार को जब एमआईसी बैठक में गुप्ता को लेकर हल्ला मचा शनिवार को निगमायुक्त शिवम वर्मा ने उनके रिलीव करने के आदेश जारी किए। अब गुप्ता मुरैना नगर निगम में अपनी सेवाएं देंगे।

कार्यपालन यंत्री सुनील गुप्ता डेढ़ साल से नगर निगम में ड्रेनेज विभाग का जिम्मा संभाल रहे थे। इस विभाग में पहले 26 करोड़ के घोटाले का मामला उजागार हुआ। मौके पर काम हुए नहीं और बिल मंजूर होने लेखा विभाग में चले गए थे। गुप्ता ने पांच ठेकेदार फर्मों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया था। ठेकेदारों को गिरफ्तार किया तो उन्होंने नगर निगम के अधीक्षण यंत्री अभय राठौर का नाम बताया। पुलिस ने उन्हें भी आरोपी बना दिया। राठौर की पत्नी ने कोर्ट में सुनील गुप्ता के खिलाफ भी शिकायत की थी। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके पति अभय तो दो साल से निलंबित थे। वे घोटाला कैसे कर सकते है।

फाइलें भी हो चुकी है गायब

घोटाले से जुड़ी फाइलें भी गुप्ता की कार से चोरी हो गई थी। इस पर पर सवाल उठे थे कि दफ्तर के बजाए गुप्ता घोटाले की फाइलें कार में रखकर क्यों घूम रहे थे। फाइलों की फोटोकापी के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की, हालांकि अभी तक अफसरों के हस्ताक्षरों की रिपोर्ट पुलिस को नहीं मिली है।

सुरंग के अंदर हुआ एक ब्लास्ट इंदौर-दाहोद रेल लाइन की राह कर देगा आसान

इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन प्रोजेक्ट के तहत शीघ्र ही इंदौर-धार तक का काम शीघ्र ही पूरा होने की उम्मीद है। पीथमपुर के पास 2.9 किमी लंबी टनल का काम तकरीबन पूरा हो चुका है। पश्चिम रेलवे के जीएम अशोक कुमार मिश्र इस सुरंग के बचे 2.5 मीटर हिस्से को बटन दबाकर ब्लास्ट करेंगे। इसके साथ ही टनल के दोनों पोर्टल आपस में मिल जाएंगे और रेल लाइन का रास्ता साफ हो जाएगा। तीन माह में टनल की फिनिशिंग और ट्रैक बिछाने काम भी पूरा कर लिया जाएगा। ताकि दिसंबर माह तक इंदौर से धार तक रेल कनेक्टिविटी हो जाए। बता दें कि वर्ष 2013 में इंदौर-दाहोद (205 किमी) प्रोजेक्ट शुरू हुआ था। वर्तमान में इंदौर-टिही रेलखंड में मालगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। वहीं दाहोद से कतवारा तक काम पूरा हो चुका है। पीथमपुर-सागौर रेलखंड (9.3 किमी) पर ट्रैक बिछाने काम भी पूरा हो गया है। इस बार बजट में प्रोजेक्ट के लिए 600 करोड़ रुपये मिले हैं। रेलवे ने सागौर, गुणावद, नौगांव, झाबुआ, पिटोल में नई रेलवे स्टेशन बिल्डिंग, प्लेटफार्म आदि का निर्माण शुरू कर दिया है। प्रोजेक्ट में इंदौर से दाहोद तक 22 रेलवे स्टेशन बनेंगे। सागौर से नौगांव (धार) तक 37 किमी का काम छह में पूरा करना है। रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2007-08 में 678.56 करोड़ रुपये की लागत पर परियोजना को मंजूरी दी थी। शुरू में टिही-पीथमपुर के बीच सुरंग की योजना नहीं थी, बाद में कठोर चट्टानों में गहरी कटाई के कारण अक्टूबर-2011 में सुरंग का निर्णय लिया। जब सुरंग को लेकर सर्वे हुआ था, तब यहां आबादी नहीं थी, लेकिन 2018 में जब काम शुरू किया, तब यहां आबादी बस चुकी थी। 148.88 करोड़ रुपये की लागत से 2.9 किमी के बीच सिंगल लाइन बीजी सुरंग का काम मेसर्स एसईडब्ल्यू और एसएसएनआर-संयुक्त उद्यम, हैदराबाद को दिया गया।

नीट परीक्षा लीक मामले में कांग्रेसियों ने किया अनोखा विरोध प्रदर्शन

इंदौर। इंदौर में शनिवार सुबह कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनोखा प्रदर्शन किया है। कांग्रेस ने एनटीए द्वारा कराई जाने वाली नीट सहित अन्य कई परीक्षा में पेपर लीक कांड के विरोध में रीगल चौराहे पर भ्रष्टाचार के पौधे रोपे। विरोध के तौर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पौधे की पत्तियों में केंद्रीय मंत्री और नोटों के फोटो लगाए। प्रदेश कांग्रेस के संभागीय प्रवक्ता विवेक खंडेलवाल ने बताया नीट परीक्षा में पेपर लीक कांड के कारण 24 लाख विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर लग गया है, जो एजेंसी देश की कई भर्ती परीक्षा करवाती है, उसकी भूमिका बड़े

सवालों के घेरे में हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि इस साल 5 मई को हुई नीट परीक्षा के 4 जून को आए परिणाम में 67 बच्चों को 100 फीसदी नंबर हासिल हुए। पिछले वर्ष केवल 2 बच्चों को इतने नंबर हासिल हुए थे। 1563 बच्चो को ग्रेस मार्क्स दिए गए यह दशार्ता है कि पेपर लीक हुआ है। केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अभी भी एनटीए को बचाने में लगे हुए है। जबकि एनटीए के चेयरमैन प्रदीप जोशी जब जिस भी भर्ती परीक्षा के प्रभारी रहे हैं उस परीक्षा का पेपर लीक हुआ है। आरोप लगाया कि एनटीए द्वारा 15 दिन में होने वाली 3 परीक्षा को भी निरस्त किया है जो दशार्ता है कि एनटीए की हालत क्या है। केंद्र सरकार पेपर लिख कांड के आरोपियों को बचाने मे लगी है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी योग कर रहे हैं, सेल्फी ले रहे लेकिन इन बच्चों को विषय में कुछ नहीं बोल रहे हैं, ऐसा क्यों।

50 साल से खेती कर रहे लोग सरकार के पौधरोपण के विरोध में

खेती की जमीन लेने पर किसान ने गले में लगाया फंदा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में 51 लाख पौधे लगाने के लिए प्रशासन जगह जगह जमीन तलाश रहा है। इसी क्रम में महू-मण्डलेश्वर मार्ग पर स्थित आशापुरा गांव में राजस्व की 108 बीघा जमीन को भी पौधरोपण के लिए चिन्हित किया गया। यहां पर पिछले 50 साल से खेती किसानी कर रहे लोग अब पौधरोपण के विरोध में आ गए हैं।

शनिवार को तहसीलदार विवेक सोनी और नायब तहसीलदार राधावल्लभ धाकड़ अपने अमले के साथ अतिक्रमण हटाने पहुंचे तो एक किसान ने फांसी लगाकर जान देने का प्रयास किया। परिवार का कहना है कि हम पिछले 50 साल से इस जमीन की रक्षा कर रहे हैं और खेती कर रहे हैं और अब यहां पर हमारी खेती उजाड़कर पौधे लगाए जा रहे हैं।

घटना ग्राम मलेंडी की है। यहां की निवासी मीराबाई चंदेल अपने तीन बेटे परसराम, हंसराज और सोनू उर्फ तोताराम चंदेल के साथ खेती करती है। अफसरों ने जब यहां की जमीन पर अतिक्रमण बताकर यहां से हटने का बोला तो परिवार ने सामूहिक आत्मदाह की धमकी दी। हंसराज और परसराम ने गले में फांसी का फंदा लगा लिया और पेड़ पर चढ़ गए। यह देख राजस्व अमले ने कार्रवाई रोक दी और परिवार को समझाइश देने लगे। वहीं परिवार के अन्य सदस्य भी सामूहिक आत्महत्या की बात कह रहे हैं। दोपहर करीब 2 बजे तहसीलदार विवेक सोनी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पेड़ पर चढ़े किसानों को समझाने पहुंचे। यहां मीराबाई सहित दोनों बेटों को समझाइश दी। उन्होंने जमीन के लिए तहसील में आवेदन देने की बात कही। इसके बाद दोनों किसानों को पेड़ से नीचे उतारा।

तीन पीढ़ी से खेती कर रहा है परिवार

मीराबाई का कहना है कि हमारा परिवार यहां तीन पीढ़ी से खेती कर रहा है। वर्तमान में खेत में सोयाबीन की बुआई कर रखी है। 55 साल से हम जमीन की देखरेख कर रहे हैं, वरना यहां बहुत समय पहले ही पक्का निर्माण हो चुका होता। मीराबाई के अनुसार हमने अधिकांश जगह वनविभाग को पौधरोपण के लिए दे चुके हैं। जहां हमारी फसल लगी है उसे तो छोड़ दीजिए। नायब तहसीलदार राधावल्लभ धाकड़ का कहना है कि ये लोग जमीन पर अवैध रूप से खेती कर रहे हैं इसलिए इन्हें हटाया जा रहा है।

नेताओं की नाराजगी से बचने के लिए सभी को मौका देने की तैयारी

कांग्रेस ने अमरवाड़ा उपचुनाव के लिए बनाए 40 स्टार प्रचारक

सिटी चीफ भोपाल।

छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा में हो रहे उपचुनाव को जीतने के लिए कांग्रेस पूरी ताकत झोंक रही है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी जितेंद्र भंवर सिंह छिंदवाड़ा की इस सीट को जीतने के लिए हर पहलू पर काम कर रहे हैं। अब अपने ही नेताओं की नाराजगी से बचने के लिए 40 स्टार प्रचारकों लिस्ट जारी की गई है, जबकि यहां 10 जुलाई को चुनाव होना है। यानी 8 जुलाई तक प्रचार प्रसार किया जाएगा। अब महज 15 दिन का समय बचा है। कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, पूर्व सांसद नकुलनाथ सहित सभी वरिष्ठ नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया है। अमरवाड़ा में शुक्रवार को नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो गई। 10 जुलाई को मतदान और 13 जुलाई को मतगणना होगी।

इन नेताओं को मिला मौका

प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया, अरुण यादव, राज्य सभा सदस्य विवेक तन्खा एवं अशोक सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, एनपी प्रजापति को स्टार प्रचारक बनाया है। इसके अलावा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव संजय कपूर, विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, पूर्व मंत्री तरुण भनोत एवं सुखदेव पांसे, विधायक जयवर्धन सिंह, आरिफ मसूद, लखन घनघोरिया, बाला बच्चन, रजनीश सिंह, सुनील उइके, चौधरी सुजीत मेर सिंह, विजय चौरे, सोहनलाल वाल्मीकि भी स्टार प्रचारक की भूमिका में रहेंगे। स्टार प्रचारकों की लिस्ट में निलेश उइके, रामसिया भारती, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, पूर्व विधायक हिना कांवरे, संजय शर्मा, सुनील जायसवाल, कुणाल चौधरी, गंगा तिवारी, प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, महिला कांग्रेस अध्यक्ष विभा पटेल, सेवादल अध्यक्ष योगेश यादव, युवा कांग्रेस अध्यक्ष मितेंद्र सिंह यादव, एनएसयूआई के अध्यक्ष आशुतोष चौकसे का भी नाम शामिल है।

नेताओं में अनुशासनहीनता

मध्य प्रदेश कांग्रेस लगातार प्रदेश में चुनाव हार रही है। इसके बाद भी पार्टी में एकता नहीं दिखती है। एमपी कांग्रेस के नेताओं में अनुशासनहीनता भी साफ दिखाई देती है। कांग्रेस अपने ही नेताओं से परेशान है। जहां एक तरफ कई नेता पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टियों का दामन थाम रहे हैं, वहीं पार्टी के बड़े नेता अपने ही पार्टी के नेताओं पर सवाल खड़े करते हैं। यहां तक की प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर भी उंगलियां उठ रही हैं। नेताओं की नाराजगी से बचने के लिए कांग्रेस ने स्टार प्रचारकों में सभी उन नेताओं को शामिल किया है, जो नाराज हो सकते हैं।

सिवनी गोवंश हत्या मामले में उच्चस्तरीय जांच कमेटी गठित

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में गोवंश की हत्या के मामले में सरकार सख्त नजर आ रही है। जिले में 50 से ज्यादा गोवंश का गला काटकर हत्या कर दी और उनको नदी में बहा दिया गया था। इस मामले में हड़कंप मच गया। घटना में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर किया गया है। जिसमें से दो आरोपियों पर रासुका लगाया गया है। घटना की जांच के लिए उच्चस्तरीय टीम गठित की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मामले में शनिवार को सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि सिवनी में हुए नृशंस गोवंश हत्याकांड की उच्चस्तरीय जांच के लिए एडिशनल डीजी (सीआईडी) पवन श्रीवास्तव एवं टीम घटना स्थल पहुंची है। उन्होंने आगे लिखा कि घटना में संलिप्त प्रत्येक आरोपी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जा रही है। मध्यप्रदेश में गौमाता के खिलाफ कोई भी अपराध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सिवनी एसपी राकेश सिंह के मुताबिक मृत मिले गोवंश में से दो के कान में टैग लगे थे यह टैग पशु बाजार में मवेशियों की खरीदी-बिक्री के दौरान लगाए जाते हैं।

आरोपियों ने अधिकतर गोवंश के कान काटकर टैग भी गायब कर दिए थे। दो टैग रह गए थे, जिनके सहारे पुलिस आरोपियों तक पहुंची है। एसपी के मुताबिक हिरासत में लिए गए आरोपियों से पूछताछ में नागपुर के तीन तस्करों का नाम सामने आया है। इन गोवंश को ये तस्कर आगे हैदराबाद भेजते हैं।

मध्यप्रदेश के सिवनी जिले में 50 से अधिक गायों के शव मिलने के बाद स्थिति तनाव पूर्ण बनी हुई है। इस बीच पुलिस प्रशासन की जांच में सामने आया है कि गोवंश को पशु बाजार से खरीदा गया था और इन्हें नागपुर से हैदराबाद ले जाने की तैयारी थी। लेकिन पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए आरोपियों ने गायों के गले रेतकर उनके शव नदी में बहा दिए थे। आरोपियों का मकसद समाज में साम्प्रदायिक विवाद भी पैदा करना था, मामले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद शनिवार उनका जुलूस निकला गया। वहीं मामले में प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रशासन को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मामला सामने आने के बाद हिंदूवादी संगठन ने बालाघाट और सिवनी को बंद रखा। हिरासत में लिए गए लोगों में शादाब, वाहिद, इरफान, रामदास उइके, संतोष शामिल हैं। रामदास व संतोष पहले भी पशु तस्करी में जेल जा चुके हैं। वाहिद धनौरा थाना क्षेत्र के ग्वारी गांव का रहने वाला है। शादाब उसका रिश्तेदार है। दोनों पर पशु क्रूरता अधिनियम का एक-एक मामला दर्ज है। घटना को लेकर हिंदूवादी संगठन के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और आरोपियों पर जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की। बताया जा रहा है कि गोवंश के तस्करों को हैदराबाद और नागपुर से फंडिंग हो रही है। सिवनी में पकड़े गए गो तस्करों से भी पुलिस पूछताछ कर रही है और जल्द ही खुलासा करेगी।

यह था मामला

सिवनी जिले के धनोरा और धूमा थाना क्षेत्र के पिंडारई के पास बेनगंगा नदी के बाहर 26 गोवंश और धूमा क्षेत्र के ककरतला के जंगल में 28 गोवंश के शव मिले थे। सूचना पर कलेक्टर क्षितिज सिंघल और पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और जांच के आदेश दिए गए। ग्रामीणों का कहना है कि उनके क्षेत्र में इस तरह की घटना पहली बार हुई है। लोगों के अनुसार आसपास के गांव से गोवंश के शव नदी में बहकर आए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन ने मांग की है कि इस मामले में जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करे।

विश्व संगीत दिवस पर भोपाल में 'स्वर सरिता' का आयोजन, सभागार में गूंजा वाह

सुकून देने वाला संगीत किसी एक दिन का मोहताज नहीं

सिटी चीफ भोपाल।

मन को सुकून और दिल को तरोताजा करने वाला संगीत किसी एक दिन का मोहताज नहीं है, लेकिन बात दस्तूर निभाई की हो तो किसी दिन को खास मौका छोड़ा भी नहीं जा सकता। आकाशवाणी के भोपाल केंद्र ने विश्व संगीत दिवस पर ऐसी ही एक महफिल सजाई। इसमें गीत, गजल, भजन श्रोताओं पर गहरी छाप छोड़ गए। विश्व संगीत दिवस पर आकाशवाणी भोपाल द्वारा स्वर सरिता का दूसरा अंक प्रस्तुत किया गया। इसमें विख्यात गजलकार और तबला नवाज उस्ताद सलीम अल्लाह वाले की गजलों ने सभागार में उपस्थित लोगों को वाह-वाह करने पर मजबूर किया। वहीं युवा गायिका प्राची कोकण ठाणकर ने अपने भजनों के माध्यम से जन समूह को भक्ति रस में डुबोया। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए प्राची ने सर्वप्रथम अपने गुरु सरवत हुसैन की संगीतबद्ध की गई मीराबाई की रचना प्रस्तुत की। इसके बोल थे जोगिया से प्रीत किए जिस संगीत स्टूडियो में कभी उस्ताद सरवत हुसैन की आवाज गूंजती थी, वहीं उनकी शिष्या के माध्यम से उनकी संगीत रचना को सुनना उपस्थित

जन समूह के लिए एक यादगार अवसर बन गया। तत्पश्चात प्राची ने आकाशवाणी भोपाल के पूर्व निदेशक विश्वास केलकर की संगीत रचना तुम मेरी राखो लाज हरी को प्रस्तुत कर इस अद्भुत आनंद को दोगुना कर दिया। इस भजन के रचयिता थे सूरदास। प्राची ने इसके बाद दो और भजनों के साथ अपने गायन का समापन किया। छाप तिलक और दमा दम मस्त कलंदर ने बटोरी तालियां इसके बाद देश के ख्याति लब्ध तबला नवाज और गजल गायक उस्ताद सलीम अल्लाह वाले मंच पर आए। जिन्होंने सबसे पहले अल्लामा इकबाल के सुप्रसिद्ध गजल सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा को स्वर दिया। तत्पश्चात स्वयं की संगीतबद्ध और प्रसिद्ध शायर कृष्ण बिहारी नूर की गजल जिंदगी से बड़ी सजा ही नहीं प्रस्तुत कर उपस्थित जानसमूह का मन मोह लिया। शकील आजमी की गजल खुद को इतना भी ना बचाया कर को भी लोगों ने बहुत पसंद किया। अंत में आपने श्रोताओं की फरमाइश पर छाप तिलक और दमा दम मस्त कलंदर से कार्यक्रम को एक अलग ऊंचाई प्रदान की। दोनों कलाकारों के साथ वायलिन पर संगत पंडित महेश मलिक ने की। तबले पर मोहम्मद शमी और कीबोर्ड के साथ संगत शाहिद ने की। संचालन आकाशवाणी भोपाल के वरिष्ठ उद्घोषक डॉक्टर अरविंद सोनी ने किया। आकाशवाणी भोपाल के कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट्ट ने बताया कि स्वर सरिता शृंखला आकाशवाणी भोपाल के कलाकारों को प्रतिष्ठित मंच देने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

खत्म हड़ताल, आज छह रूटों पर चलेंगी 149 बसें

भोपाल। पिछले नौ दिन से 400 चालक-परिचालकों की चल रही हड़ताल आखिरकार शनिवार को समाप्त हो गई। लिहाजा रविवार सुबह छह बजे से छह रूटों पर चलने वाली 149 बसें चलने लगेंगी।

चालक और परिचालकों ने बस आपरेटर मां एसोसिएट द्वारा पीएफ और ईएसआइसी की राशि जमा नहीं करने पर 14 जून से हड़ताल शुरू की थी। इसके चलते हजारों यात्रियों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बीसीएलएल द्वारा 15 जून तक का पेमेंट करने के बाद बस आपरेटर से छह महीने की पीएफ और

ईएसआइसी राशि जमा करवाई गई। इसके बाद यह हड़ताल समाप्त हुई है। उधर भोपाल सिटी यान चालक-परिचालक ट्रेड यूनियन इंटर के अध्यक्ष अजीज खान ने बताया कि यह 30 जून तक पूरी राशि जमा नहीं हुई तो पांच जुलाई से फिर हड़ताल होगी। शनिवार को निगमायुक्त हरेंद्र नारायण और बीसीएलएल से मिले आश्वासन के बाद रविवार से बसों के संचालन के लिए चालक तैयार हुए हैं।

श्रीराम और श्रीकृष्ण के नाम पर बनेंगे प्रवेश द्वार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मोहन सरकार प्रदेश को धार्मिक पहचान देने की तैयारी कर रही है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राजधानी भोपाल में श्रीराम और श्रीकृष्ण के नाम पर प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र में भी राजा भोज और राजा विक्रमादित्य के नाम पर आकर्षक प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। इसी तरह भगवान श्री राम एवं भगवान श्री कृष्ण से जुड़े प्रदेश के स्थलों के विकास कार्य की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

शुक्रवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के अंतर्गत धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास, श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास एवं भगवान श्रीराम एवं भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों के विकास की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि आज बैठक में हमने विस्तार से जो स्थान चिह्नित किए उनके विकास के लिए न केवल धनराशि स्वीकृत की है बल्कि उनको विकसित करने के लिए यथायोग्य तुरंत निर्देश हमने जारी किए हैं। साथ ही साथ भगवान श्रीराम के जहां 11 वर्ष चित्रकूट धाम में गुजरे हैं उसके प्राधिकरण के सक्रियता के आधार पर कलेक्टर को चार्ज लेने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के नाम पर भोपाल के प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। राजाभोज और राजा विक्रमादित्य के नाम पर भी प्रवेश द्वार बनाने की कार्ययोजना बनाई जाएगी। राज्य की सीमा पर भी प्रवेश द्वार बनाए जाने की तैयारी की जाए। बाहर से आने वाले लोगों को प्रदेश की संस्कृति और धार्मिक महत्व के स्थलों की जानकारी हो सके, इसके लिए बेहतर प्रयास किए जाना जरूरी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों के विकास के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए। पर्यटन तथा धार्मिक स्थलों को आकर्षक एवं भव्य बनाया जाए। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्थल बढ़ाने के भी प्रयास हों। प्रदेश में गीता जयंती पर गीता महोत्सव मनाने की कार्ययोजना बनाएं। इसी तरह मानस जयंती भी मनाई जाए। प्रदेश में भारतीय संस्कृति एवं दर्शन को व्यापकता से आमजन तक पहुंचाया जाए। बैठक में संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी, मुख्य सचिव वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डा. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन शिवशेखर शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम एवं भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों का चिह्नांकन करने और उनके विकास के लिए विद्वानों का संकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित धार्मिक स्थलों के विकास के लिए सांसद एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उज्जैन, मैहर, इंदौर, चित्रकूट आदि स्थानों पर बड़ी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं।

मंत्रियों के लिए लग्जरी गाड़ियां खरीदने के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने साधा निशाना

पौने चार लाख करोड़ के कर्ज में डूबी सरकार कर रही फिजूलखर्ची

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लगातार लिए जा रहे कर्ज को लेकर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि पौने चार लाख करोड़ के बड़े और भारी कर्ज में डूबी मध्य प्रदेश सरकार अपने मंत्रियों के लिए पांच करोड़ में लग्जरी गाड़ियां खरीदने जा रही है। बताया जा रहा है कि 25 नई चमचमाती गाड़ियां इसी माह के अंत तक आ जाएंगी। उन्होंने कहा कि नई गाड़ियों की डिलीवरी के लिए अगस्त की डेट मिली थी, लेकिन मंत्री इसी माह गाड़ियों की डिमांड कर रहे हैं। दबाव में सरकार ने जून के अंत तक लग्जरी गाड़ियां देने का अनुरोध किया है। जबकि पांच मंत्रियों को नई गाड़ियां पहले ही मिल चुकी हैं।

जीतू पटवारी ने आगे कहा कि सुख-सुविधाओं पर करोड़ों खर्च कर चुकी प्रदेश सरकार में अब इतनी भी नैतिकता नहीं बची है कि लग्जरी खर्च को कम कर सके। खास करके तब जब वह बीते दो चुनाव में अपने घोषित वादों को भी पूरा नहीं कर रही है। पटवारी ने आगे का कहा कि किसानों को घोषित समर्थन मूल्य नहीं देने वाली सरकार के मंत्री यदि लग्जरी गाड़ियों में बैठकर गांव में घूमेंगे, तो किसानों की तकलीफ ज्यादा बढ़ जाएगी। 3000 प्रतिमाह मिलने का सपना देख रही लाखों लाड़ली बहना महंगी गाड़ियों में मंत्रियों के नखरे कैसे झेल पाएंगी? पटवारी ने कहा कि इसके पहले कई सारे माननीय मंत्री महोदय के बंगलों की लग्जरी सजावट में फिर से करोड़ों रुपए खर्च किए गए। कर्ज में डूबी सरकार गरीब जनता के पैसों पर ऐसी लग्जरी कैसे उठा सकती है? विशेष रूप से तब जब मंत्री जी के निवास पहले से ही बेहतर स्थिति में थे।

जनता के पैसों पर ऐश कर रही है सरकार

पटवारी ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री जी के उड़न खटोले के लिए भी गरीब प्रदेश की कर्जदार सरकार ने 56 इंच से बड़ी छाती खोलकर बजट

बनाया और देश दुनिया में ढिंढौरा पीट कर कोटेशन भी मंगवाए। महंगे हवाई जहाज में हवा-हवाई सरकार जनता के पैसों से ही तो ऐश करेगी। यह वही जनता है जो गांव, गरीब, किसान और पीड़ित महिलाओं के रूप में मध्यप्रदेश में रह रही है। वह बीजेपी के चुनावी वादों पर भरोसा करती है और चुनाव जीतने के बाद भाजपा की भगौड़ी सूरत को देखकर खुद को ठगा हुआ महसूस करती है।

मुख्यमंत्री से कहा गरीबी में आटा और गीला ना करें

पीसीसी चीफ पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से आग्रह किया है कि गरीबी में आटे को और ज्यादा गीला नहीं करना चाहिए। लग्जरी खर्चे में कमी करते हुए पहले चुनावी वादों को पूरा करने में ध्यान और धन लगाना चाहिए।

महिला विरोधी सरकार है मोहन सरकार

जीतू ने कहा कि यहां बहनों के साथ इतना अत्याचार हो रहा है, जो विश्व में कहीं नहीं होता। 17 बहनों की रोज अस्मत लुट रही है। धार जिले का वीडियो मार्मिक है। कई वीडियो आते हैं, जिसमें तालीबानी तरीके से महिलाओं को पीटा जा रहा है। तीन हजार रुपये खा गई ये सरकार बहनों के। कहा था चुनाव बाद तीन हजार करेंगे लाडली बहना के, पर दो-दो बार वोट ले लिए। अब उस विषय पर हलक से एक शब्द नहीं निकल रहा। ये मोहन सरकार महिला विरोधी सरकार है।

सम्पादकीय

केजरीवाल की जमानत पर रोक

अब साफ है कि केजरीवाल का जेल से बाहर आना फिलहाल रुक गया है। आम आदमी पार्टी (आप) का जश्न और भविष्य की योजनाओं पर सन्नाटा पसर गया है। दरअसल केजरीवाल का जेल में रहना आप के लिए बहुत बड़ी सजा है, लिहाजा जमानत के फैसले पर पार्टीजन सत्यमेव जयते के नारे लगा रहे थे। चूकि आप का राष्ट्रीय संयोजक फिलहाल जेल के बाहर आ रहा था, लिहाजा वे जश्न मना सकते थे। अब सब कुछ स्थगित हो गया है। उच्च न्यायालय ने सुनवाई शुरू कर दी है।

दिल्ली की विशेष अदालत ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नियमित जमानत देकर सभी पक्षों को चौंका दिया। केजरीवाल शराब घोटाले के आरोपित हैं और उन्हें पीएमएलए (धनशोधन निरोधक अधिनियम) की धाराओं में गिरफ्तार किया गया था। इस अधिनियम के तहत जमानत मिलना लगभग असंभव है। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन लंबे अंतराल से इसी कानून की धाराओं और अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत जेल में हैं। उन्होंने सर्वोच्च अदालत तक गुहार लगाई, लेकिन कमोबेश सिसोदिया को एक बार भी जमानत नहीं दी गई। सत्येंद्र स्वास्थ्य आधार पर कुछ समय के लिए जेल से बाहर रहे, लेकिन लौट कर जेल ही जाना पड़ा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भी धनशोधन की धाराओं के तहत केस बनाए गए, लिहाजा वह भी जनवरी, 2024 से जेल में ही हैं। उनकी जमानत की याचिकाएं भी खारिज होती रही हैं। तेलंगाना की भारत राष्ट्र समिति पार्टी की सांसद के. कविता भी शराब घोटाले के कारण जेल में हैं। केजरीवाल को विशेष अदालत ने उन्हीं दलीलों पर जमानत दी थी, जिनके आधार पर उन्हें अन्य अदालतों ने जमानत नहीं दी थी। उन्हें लगातार न्यायिक हिरासत में रखा जा रहा था। बीच में सर्वोच्च अदालत ने उन्हें चुनाव-प्रचार के लिए विशेष अंतरिम जमानत दी थी। उसके बाद दो जून को उन्हें जेल लौटना पड़ा था। बहरहाल केजरीवाल की जमानत आधी-अधूरी साबित हुई, क्योंकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने निचली अदालत के इस फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी और उच्च न्यायालय ने तब तक जमानत की प्रक्रिया पर रोक लगा दी, जब तक उसकी सुनवाई पूरी न हो जाए। अब साफ है कि केजरीवाल का जेल से बाहर आना फिलहाल रुक गया है। आम आदमी पार्टी (आप) का जश्न और भविष्य की योजनाओं पर सन्नाटा पसर गया है। दरअसल केजरीवाल का जेल में रहना आप के लिए बहुत बड़ी सजा है, लिहाजा जमानत के फैसले पर पार्टीजन सत्यमेव जयते के नारे लगा रहे थे। चूंकि आप का राष्ट्रीय संयोजक फिलहाल जेल के बाहर आ रहा था, लिहाजा वे जश्न मना सकते थे। अब सब कुछ स्थगित हो गया है। उच्च न्यायालय ने सुनवाई शुरू कर दी है।

हम केजरीवाल और 'आप' के प्रवक्ता, नेताओं से सवाल करना चाहते थे कि देश में संविधान, न्यायपालिका और लोकतंत्र अभी जिंदा हैं अथवा नहीं? चुनाव के दौरान एक झूठा नेरेटिव कांग्रेस ने गढ़ा था कि यदि मोदी सरकार ही लौट कर आ गई, तो संविधान बदल दिया जाएगा। लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। जाहिर है कि संविधान बदल दिया जाएगा, तो न्यायपालिका का अधिकार-क्षेत्र भी प्रभावित होगा। आरक्षण भी समाप्त कर दिया जाएगा। इस झूठे नेरेटिव को केजरीवाल-समूह ने भी आगे बढ़ाया था, क्योंकि आप भी इंडिया विपक्षी गठबंधन का हिस्सा रही है। बेशक चुनाव भी प्रभावित हुआ। यह जनादेश से स्पष्ट है कि भाजपा को भी बहुमत नहीं मिला। वह 240 सीट पर ही सिमट गई, नतीजतन देश में गठबंधन की सरकार बनी है। जब केजरीवाल जेल से बाहर आएंगे, तो क्या कहेंगे? आम चुनाव तो सम्पन्न हो चुके। आप के मात्र तीन सांसद पंजाब से चुने गए हैं। केजरीवाल की दिल्ली ने शून्य दिया है। केजरीवाल का जेल से बाहर आना पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। फरवरी, 2025 में विधानसभा चुनाव होने हैं। आप की सार्वजनिक छवि और भीतरी संकट बेहद गंभीर हैं। महिलाओं को 1000 रुपए माहवार देने का वायदा निभाना है, क्योंकि वह बजट की घोषणा है। चूंकि केजरीवाल के जेल में रहने से कैबिनेट की बैठक लंबे समय से नहीं हो पाई, नतीजतन परियोजनाओं को स्वीकृति लटक रही है। दिल्ली में पानी का जो गंभीर संकट फैला हुआ है, उसके लिए भी केजरीवाल के हस्तक्षेप की जरूरत है। हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में भी केजरीवाल चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं, लेकिन अब क्या किया जाए? बहरहाल, उच्च न्यायालय के आदेश की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।

सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे विश्व में फैलना

आज विश्व शांति के लिए आवश्यक है

आज जब कई मुस्लिम देश शिया एवं सुन्नी सम्प्रदाय के नाम पर आपस में ही लड़ रहे हैं तो उनका ईसाई पंथ को मानने वाले नागरिकों के साथ सामंजस्य किस प्रकार रह सकता है, अतः यूरोपीयन देशों के नागरिकों को अब अपने किए पर पश्तावा होने लगा है।

यूरोप में हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में दक्षिणपंथी कहे जाने वाले दलों की राजनैतिक ताकत बढ़ी है। हालांकि सत्ता अभी भी वामपंथी एवं मध्यमार्गीय नीतियों का पालन करने वाले दलों की ही बने रहने की सम्भावना है परंतु विशेष रूप से फ्रांस एवं जर्मनी में इन दलों को भारी नुक्सान हुआ है। इटली की देशप्रेम से ओतप्रोत दल की मुखिया जोरजीया मेलोनी को अच्छी सफलता हासिल हुई है। कुल मिलाकर यूरोपीय देशों के नागरिकों में देशप्रेम का भाव धीमे धीमे लौट रहा है एवं वे अब अपने अपने देश में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों का विरोध करने लगे हैं। विशेष रूप से यूरोप के आस पास के मुस्लिम बहुल देशों से भारी संख्या में मुस्लिम नागरिक अवैध रूप से इन देशों में शरण लिए हुए हैं एवं अब वे इन देशों की कानून व्यवस्थ के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गए हैं। जर्मनी एवं फ्रान्स ने मुस्लिम नागरिकों को मानवीय आधार पर अपने देश में बसाने में शिथिल नीतियों का पालन किया था और अब ये दोनों देश इस संदर्भ में विभिन्न समस्याओं का सबसे अधिक सामना कर रहे हैं। आज जब कई मुस्लिम देश शिया एवं सुन्नी सम्प्रदाय के नाम पर आपस में ही लड़ रहे हैं तो उनका ईसाई पंथ को मानने वाले नागरिकों के साथ सामंजस्य किस प्रकार रह सकता है, अतः यूरोपीयन देशों के नागरिकों को अब अपने किए पर पश्तावा होने लगा है। ब्रिटेन में भी आज मुस्लिम समाज की आबादी बहुत बढ़ गई है एवं यहां का ईसाई समाज अपने आप को असुरक्षित महसूस करने लगा है क्योंकि मुस्लिम समाज द्वारा ईसाई समाज पर कई प्रकार के आक्रमण किया जाना आम बात हो गई है। ब्रिटेन के कई शहरों में तो मेयर आदि जैसे उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के पदों पर भी मुस्लिम समाज के नागरिक ही चुने गए है अतः इन नगरों में सत्ता की चाबी ही अब मुस्लिम समाज के नागरिकों के हाथों में है, जिसे ईसाई समाज के नागरिक बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसी प्रकार, इजराईल (यहूदी समुदाय) एवं हम्मास (मुस्लिम समुदाय) के बीच युद्ध लम्बे समय से चल रहा है। ईरान (शिया समुदाय) - सऊदी अरब (सुन्नी समुदाय) के आपस में रिश्ते अच्छे नहीं है। पाकिस्तान में तो अहमदिया समुदाय एवं बोहरा समुदाय को मुस्लिम ही नहीं माना जाता है एवं इनको गैर मुस्लिम मानकर इन पर सुन्नी समुदाय द्वारा खुलकर अत्याचार किए जाते हैं। कुल मिलाकर, मुस्लिम समाज न केवल अन्य समाज के नागरिकों (यहूदी, ईसाई, हिंदू आदि) के साथ लड़ता आया है बल्कि इस्लाम के विभिन्न फिर्कों के बीच भी इनकी आपसी लड़ाई होती रही है। इसके ठीक विपरीत, सनातन हिंदू संस्कृति का अनुपालन करते हुए कई भारतीय मूल के नागरिक भी अन्य देशों में रह रहे हैं एवं लम्बे समय से स्थानीय स्तर पर ईसाई समाज एवं अन्य धर्मों के अनुयायियों के साथ मिल जुलकर रहते आए हैं। इन देशों में भारतीय मूल के नागरिकों एवं स्थानीय स्तर पर अन्य धर्मों के अनुयायियों के बीच कभी भी बड़े स्तर पर आक्रोश उत्पन्न होता दिखाई नहीं दिया है, क्योंकि सनातन हिंदू संस्कृति में वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वे भवंतु सुखिनः का भाव हिंदू नागरिकों में बचपन से ही भरा जाता है। इसी प्रकार के भाव का संचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पिछले 99 वर्षों से अपने स्वयंसेवकों में जगाता आया है। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। 27 सितम्बर 1933 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक पूजनीय डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार, शस्त्र पूजा समारोह में अपने उदबोधन में कहते हैं कि संघ एक हिंदू संगठन है। संसार के सभी धर्मों में हिंदू धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है, जिसका मुख्य गुण सद्गुण है और जो आत्मवत् भूतेषु (सभी प्राणियों में अपने को देखना) की भावना से सभी जीवों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना सिखाता है। यह धर्म संसार में व्याप्त हिंसा और अन्याय को स्वीकार नहीं करता। इसलिए स्वाभाविक है कि प्रत्येक हिंदू ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाना चाहता है। लेकिन केवल उपदेश देने से संसार का स्वभाव नहीं बदलेगा। जब संसार को लगेगा कि हिंदू समाज सुसंगठित और सशक्त हो गया है, तो हमारे प्रति जो अनादर का भाव सर्वत्र दिखाई देता है, वह समाप्त हो जाएगा और संसार हमारी बात सुनेगा। हिंदू धर्म अनादि काल से यही करता आ रहा है और ऐसे पवित्र धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए ही संघ की शुरूआत हुई है। आजकल हिंदू समाज बहुत अव्यवस्थित हो गया है। संघ का एकमात्र उद्देश्य हिंदू समाज को इस तरह संगठित करना है कि हिंदू, हिंदुस्तान में गर्वित हिंदू के रूप में खड़े हो सकें और दुनिया को यह विश्वास दिला सकें कि हिंदू कोई ऐसी जाति नहीं है जो मरणासन्न अवस्था में हो। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। संघ का लक्ष्य मानव जाति में व्याप्त राक्षसी प्रवृत्ति को दूर करना और उसे मानवता सिखाना है। संघ का गठन किसी से घृणा करने या उसे नष्ट करने के लिए नहीं हुआ है। हाल ही में जारी की गई प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट में धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी का देशभर में विश्लेषण नामक विषय के माध्यम से बताया गया है कि बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी 1950 और 2015 के बीच 7.82त्न घट गई है। जबकि मुस्लिमों की आबादी में 43.15त्न की वृद्धि हुई है। मुस्लिमों की 1950 में 9.84त्न रही आबादी 14.09त्न पर पहुंच गई है। ईसाई धर्म के लोगों की आबादी की हिस्सेदारी 2.24त्न से बढ़कर 2.36त्न हुई है। ठीक ऐसे ही सिख समुदाय की आबादी 1.24त्न से बढ़कर 1.85त्न हो गई है। भारत में सद्गुणों से ओतप्रोत हिंदू नागरिकों की जनसंख्या यदि इस प्रकार घटती रही तो यह भारत के साथ पूरे विश्व के लिए भी अच्छा संकेत नहीं है क्योंकि अल्पसंख्यक के नाम पर मुस्लिम आबादी (जो कि अपने धर्म के प्रति एक कट्टर कौम मानी जाती है तथा अन्य धर्मों के लोगों के प्रति बिलकुल सहशुण नहीं है और वक्त आने पर अन्य समाज के नागरिकों का कत्लेआम करने में भी हिचकिचाते नहीं है) में बेतहाशा वृद्धि होना, पूरे विश्व के लिए एक अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता है। यह बात ध्यान रखने वाली है कि ईरान कभी आर्यों का अर्थात पारसियों का देश था। इराक, सऊदी अरब ,पश्चिम एशिया के समस्त मुस्लिम देश 1400 वर्ष पूर्व भारतीय संस्कृति और सभ्यता को मानने वाले देश थे। तलवार के बल पर 57 देश इस्लाम को स्वीकार कर चुके हैं इनमें से कोई भी ऐसा देश नहीं है जो 1400 वर्ष पहले से अर्थात सनातन की भांति सृष्टि के प्रारंभ से मुस्लिम देश था। 1398 ईसवी में ईरान भारत से अलग हुआ, 1739 में नादिरशाह ने अफगानिस्तान को अपने लिए एक अलग रियासत के रूप में प्राप्त कर लिया, बाद में 1876 में यह एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आ गया,1937 में म्यांमार बर्मा अलग हुआ, 1911 में श्रीलंका अलग हुआ और 1904 में नेपाल अलग हुआ। सांप्रदायिक आधार पर देश विभाजन का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका इसके पश्चात 1947 में पश्चिमी एवं पूर्वी पाकिस्तान देश बना। पूर्वी पाकिस्तान आज बांग्लादेश के रूप में मानचित्र पर उपलब्ध है।

आज एक बार पुनः भारत के भीतर जहां-जहां इस्लाम को मानने वाले लोगों की संख्या बहुलता को प्राप्त हो गई है, वहां वहां पर अनेक प्रकार की सामाजिक विसंगतियां, दमन और शोषण के नए-नए स्वरूप देखे जा रहे हैं। केरल, कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, बंगाल जहां जहां उनकी संख्या बहुलता में है, वहां -वहां दूसरे धर्म और जाति के लोग परेशान हैं। उपस्थित तथ्यों से सत्य को समझना चाहिए। इन आंकड़ों के आलोक में हमें समझना चाहिए कि हमारी बहू, बेटियां, महिलाओं की इज्जत कब तक सुरक्षित रह सकती है? निश्चित रूप से तब तक जब तक कि भारतवर्ष सनातनी हिंदुओं के हाथ में है। हमें इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए कि अब हम सांप्रदायिक आधार पर देश का पुनः विभाजन नहीं होने दें। नोवाखाली जैसे नरसंहारों की पुनरावृत्ति अब हमारे देश में नहीं होनी चाहिए। भारत-पाकिस्तान के विभाजन के समय जिस प्रकार लाखों करोड़ों लोगों को घर से बेघर होना पड़ा था, उस इतिहास को अब दोहराया नहीं जाना चाहिए। भारत में आंतरिक स्थिति ठीक नजर नहीं आती है परंतु विश्व के कई अन्य देशों में सनातन संस्कृति को तेजी से अपनाया जा रहा है, तभी तो कहा जा रहा है कि विश्व में आज कई समस्याओं का हल केवल हिंदू सनातन संस्कृति को अपना कर ही निकाला जा सकता है।

क्या थीं जरत्कारु के विवाह की तीन शर्तें?, जानिए ब्रह्मचारी ऋषि की कहानी..

प्राचीन समय में जरत्कारु नाम के एक ब्रह्मचारी ऋषि हुए। वह धर्म के ज्ञाता और तपोबल से संपन्न थे। वह कभी केवल वायु पर आश्रित रहते, तो कभी भोजन का त्याग कर देते थे। उन्होंने निद्रा पर विजय प्राप्त कर ली थी। एक बार जरत्कारु ने देखा कि कुछ ऋषिगण सिर नीचे की ओर किए एक गड्ढे में लटक रहे थे।

जरत्कारु ने पूछा, 'आप लोग कौन हैं और उल्टा क्यों लटके हैं?'

ऋषियों ने उत्तर दिया, 'हम कठोर व्रत का पालन करने वाले यायावर मुनि हैं। हमारी मात्र एक संतान शेष है। अन्य सभी काल के अधीन हो चुके हैं। हमारी संतान का नाम जरत्कारु है। वह तपस्या में लीन रहता है और विवाह नहीं करता। अतः वंश-परंपरा का नाश होने के कारण हम गड्ढे में लटक रहे हैं। हमारी रक्षा करने वाला वंशधर मौजूद है, फिर भी हम अनाथ हो गए हैं।' जरत्कारु ने कहा, 'आप लोग मेरे पितृगण हैं। मैं ही जरत्कारु हूं। कहिए, मैं आपकी क्या सेवा करूं?' यह सुनकर पितर बोले, 'तात! तुम हमारे कुल की रक्षा के लिए शीघ्र विवाह करके धर्म का पालन करो और पुत्र की उत्पत्ति के लिए यत्न करो। पुत्र वाले मनुष्य, इस लोक में जिस उत्तम गति को प्राप्त होते हैं, उसे अन्य लोग धर्मानुकूल फल देने वाले तप से भी नहीं प्राप्त कर सकते। अतः पुत्र! तुम हमारी आज्ञा से विवाह कर संतानोत्पत्ति की ओर ध्यान दो। यही हमारे सर्वोत्तम हित की बात होगी। जरत्कारु ने पितरों से कहा, 'हे पितृगण! मैंने यही निश्चय किया था कि मैं जीवन के सुख-भोग के लिए न तो कभी विवाह करूंगा और न ही धन का संग्रह करूंगा। परंतु यदि इसी से आपका हित होता है, तो मैं विवाह करने को तैयार हूं। विवाह के लिए मेरी तीन शर्तें हैं। यदि उन शर्तों के अनुसार मुझे कन्या मिलती है, तो उससे विवाह कर लूंगा, अन्यथा नहीं... 'पहली शर्त है कि मैं अपने नाम वाली कन्या से ही विवाह करूंगा। दूसरी शर्त है कि उसके भाई-बंधु उसे स्वयं मुझे देने की इछा रखते हों और तीसरी शर्त यह है कि चूंकि मैं दरिद्र हूं और मांगने से मुझे कोई कन्या नहीं देगा, अतः यदि कोई भिक्षा के तौर पर अपनी कन्या देने को तैयार हो, तभी मैं उसे ग्रहण करूंगा। ये शर्तें पूर्ण हो जाएं, तो मैं विवाह कर लूंगा।' यह कहकर जरत्कारु ने पितरों को प्रणाम किया और पृथ्वी पर सभी दिशाओं में विचरण करने लगे। बहुत प्रयास करके भी उन्हें ऐसी कोई कन्या नहीं मिली, जो उनकी सब शर्तें पूरी करती हो। फिर एक दिन जरत्कारु ने पितरों का स्मरण करके वन के भीतर कन्या की भिक्षा के लिए पुकार लगाई और कहा, कोई भिक्षा रूप में कन्या दे जाए!' उसी समय नागराज वासुकि अपनी बहन को लेकर उपस्थित हुए और बोले, ऋषिवर! यह मेरी बहन है। कृपया इसे आप भिक्षा में ग्रहण कर लीजिए। जरत्कारु की दो शर्तें पूर्ण हो रही थीं। वासुकि, कन्या का भाई था और उसे स्वयं भिक्षा में दे रहा था। अब एक शर्त शेष थी। जरत्कारु ने नागराज से उसकी बहन का नाम पूछा। वासुकि ने कहा, 'हे जरत्कारु! मेरी यह छोटी बहन आपके नाम वाली है। इसका भी नाम जरत्कारु है। मैंने इसे स्वयं आपकी सेवा में समर्पित किया है। आपने विवाह के लिए तीन शर्तें रखी थीं, वे सभी पूर्ण हो गई हैं। अतः आप इसे पत्नी-रूप में स्वीकार कीजिए। यह सुनकर ऋषि जरत्कारु ने वासुकि की बहन से विधिवत विवाह किया। उनसे एक तेजस्वी पुत्र का जन्म हुआ। उसका नाम आस्तीक था। उसके जन्म के साथ जरत्कारु के पितरों को मुक्ति मिल गई। इसी आस्तीक ने कालांतर में जनमेजय का नाग-यज्ञ रुकवाया था।

पक्ष और विपक्ष का क्या रिश्ता बनेगा ? नौकरियों के एजेंडे को आगे लाना जरूरी

अठारहवीं लोकसभा के परिणाम ने एक मजबूत विपक्ष खड़ा किया है, जो 16वीं और 17वीं लोकसभा में नहीं के बराबर था । 2014 और 2019 में हुए पिछले दो लोक सभा चुनावों में कांग्रेस 44 और 52 सीटें लेकर मुख्य विपक्षी पार्टी थी, लेकिन वह विपक्ष के नेता का पद भी नहीं जीत सकी। भाजपा को छोड़कर अन्य सभी पार्टियों के पास बहुत कम सीट थी। भाजपा और उसके चुनाव पूर्व सहयोगियों और अघोषित सहयोगियों (वाईएसआरसीपी और बीजेडी) की आवाज के सामने विपक्ष की आवाज दब गई। भारतीय जनता पार्टी ने इस बात पर विचार करने की जरूरत नहीं समझी कि संख्या बल में कम होने के बाद भी संसद की परंपराओं को किस तरह से बनाए रखा जा सकता है। विपक्षी पार्टियों बार-बार शिकायत करती रही कि संसद की परंपराओं का पालन नहीं किया गया। कई निष्पक्ष पर्यवेक्षक ने भी यह माना था कि दोनों सदन ठंडे पड़ गए। 2024 के लोकसभा चुनाव ने सत्ता दल और विपक्ष दोनों को संसद की गौरवमयी परंपराओं को जीवित रखने का एक बार फिर से मौका दिया है। यही लोकतंत्र का स्वरूप भी है और सार भी। इस बार विपक्ष सवा दो सौ से अधिक सीटों के साथ मजबूती से खड़ा है।

उल्लेखनीय वादे

विपक्ष कांग्रेस के 2024 के मेनिफेस्टो न्याय पत्र से शुरु कर सकता है, जिसमें निम्नलिखित वादों को शामिल किया गया था = हम यह वादा करते हैं कि संसद के दोनों सदन साल में 100 दिनों तक चलेंगे और संसद की प्राचीन परंपराओं को उसी तरह ईमानदारी से निभाया जाएगा।

हम यह वादा करते हैं कि सप्ताह में एक दिन, विपक्षी बेंच द्वारा सुझाए गए एजेंडे पर बहस करने के लिए समर्पित होगा।

हम वादा करते हैं कि दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारी चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल के हों, उन्हें राजनीतिक दलों से अपने संबंध तोड़ने होंगे, उन्हें तटस्थ रहना होगा और संसद की बरसों पुरानी परंपरा स्पीकर को नहीं बोलना चाहिए को स्वीकार करना होगा।

इंडिया ब्लॉक इस बात को अपनाने और उसे पूरा करने के लिए मजबूती से लड़ता रहेगा। भारतीय जनता पार्टी को इस 100 दिनों की बैठक, सप्ताह में एक दिन विपक्ष के एजेंडे पर बहस और निष्पक्ष पीठासीन अधिकारी वाले मामले पर कोई वैध आपत्ति नहीं हो सकती है।

दल-बदल रोका जाए

नरेंद्र मोदी की तरह भाजपा भी अब 240 सीट के आंकड़ों से उबर चुकी होगी। हालांकि भाजपा का लक्ष्य 370 का था और एनडीए का 400 से यादा का था। उन्होंने जश्न मनाने की कोशिश तो की, लेकिन सीटों की संख्या उन्हें यह इजाजत नीं दे रहा था। कम संख्या का टैग भाजपा नेतृत्व को सताता रहेगा और वह इससे पार करने की हर संभव कोशिश करेगी। जिन्हें वह अपने पक्ष में कर सकती है, उनमें वाईएसआरसीपी-4, आप-3, आरएलडी-2, जेडीएस-2, एजीपी - 1, आजसू -1 एचएएम-1 और एसकेएम- 1 शामिल हैं। यहां तक की जेडीयू अपनी 12 सीटों के साथ भी सुरक्षित नहीं है। इनमें से कुछ पार्टियां तो पहले से ही एनडीए का हिस्सा रही हैं, लेकिन भाजपा यहीं नहीं रूकेगी । याद रखें कि शिवसेना के साथ क्या हुआ था। संविधान की दसवीं अनुसूची में अनेक खामियां हैं, जिससे छोटी पार्टियों के सांसद हट सकते हैं या गायब हो सकते हैं। कांग्रेस के 2024 के घोषणा पत्र में एक ऐसा फॉर्मूला था, जो भाजपा की योजना को ध्वस्त कर सकता है = हम संविधान की दसवीं अनुसूची में संशोधन करने का वादा करते हैं और दलबदल (जिस मूल पार्टी से विधायक या सांसद चुने गए थे, उसे छोड़ कर किसी और पार्टी में जाना) को विधानसभा या संसद की सदस्यता के लिए स्वतः अयोग्य घोषित करने का प्रावधान करेंगे।

नौकरियों के एजेंडे को आगे लाएं

अर्थव्यवस्था के प्रबंधन के मामले में भाजपा की स्थिति काफी कमजोर है। हालांकि बुनियादी ढांचे के विकास के मुद्दे पर कोई झगड़ा नहीं हो सकता है। सभी आर्थिक नीतियों का उद्देश्य हजारों रोजगार पैदा करना और मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने जैसे दोहरे लक्ष्यों को प्राप्त करना होना चाहिए। भाजपा-एनडीए दो मौकों पर असफल हुई, जिसका खामियाजा उसे लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ा। क्या भाजपा का नेतृत्व अपनी रणनीति में बदलाव लाएगा, यह तो राष्ट्रपति के भाषण और बजट में ही पता चलेगा। जबकि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक को अपने 2024 के घोषणा पत्र में किए गए नौकरियों वाले निम्नलिखित एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहिए। उनका घोषणा पत्र कहता है =

हम एकाधिकार, अल्पाधिकार और सांठ-गांठ वाले पूंजीवाद के विरोधी हैं।

हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी कंपनी या व्यक्ति अपने लिए वित्तीय या भौतिक संसाधनों या व्यावसायिक अवसरों के लिए रियायत न पाए , सभी उद्यमियों को समान अवसर मिलने चाहिए।

हमारी नीतिगत प्राथमिकता उन व्यावसायिक उद्यमों के पक्ष में होगी, जो बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा करते हैं।

केंद्र सरकार में विभिन्न स्तरों पर स्वीकृत पदों की लगभग 30 लाख रिक्तियों को भरेंगे।

नियमित गुणवत्ता वाली नौकरियों में अतिरिक्त भर्ती, टैक्स क्रेडिट का लाभ लेने और कॉरपोरेट्स के लिए एक नई रोजगार-लिंक्ड प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना बनाई जाएगी।

हम शहरी बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और नवीनीकरण के लिए शहरी रोजगार गारंटी योजना शुरू करेंगे।

जल निकाय पुनरुद्धार कार्यक्रम और बंजर भूमि पुनरुद्धार कार्यक्रम शुरू करके कम शिक्षा और कम कौशल वाले युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा, जिसे ग्राम पंचायतों और नगर पालिकाओं के माध्यम से क्रियान्वित किया जाएगा।

विपक्षी दलों को अवसरों को ध्यान में रखते हुए एक नैरेटिव तय करना चाहिए। यह देखना मजेदार होगा कि कम संख्या वाली भाजपा का इस नए विपक्ष के साथ किस तरह का रिश्ता बनता है।

तनुश्री दत्ता के लगाए गए मी टू आरोपों पर नाना पाटेकर का बड़ा बयान, बोले- मुझे मेरी सच्चाई पता है

बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार नाना पाटेकर का नाम अक्सर विवादों से जुड़ता रहा है। साल 2018 में मी टू के दौरान तनुश्री दत्ता ने ऊपर सेक्शुअल हैरसमेंट के गंभीर आरोप लगाए थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तनुश्री दत्ता ने अपने बयान में कहा था कि साल 2008 में फिल्म हॉर्न ओके प्लीज के एक गाने की शूटिंग के दौरान नाना ने उनके साथ गलत व्यवहार किया था। अब एक इंटरव्यू के दौरान नाना इन बयानों पर खुलकर बातें करते नजर आए।

सब झूठ था... नाना पाटेकर ने बॉलीवुड की कई हिट फिल्मों में काम किया है। वे इंडस्ट्री में अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर हैं। हाल ही में जब एक इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें तनुश्री दत्ता द्वारा लगाए आरोपों को सुनकर गुस्सा आया था। इस सवाल के जवाब में अभिनेता कहते हैं, नहीं, मुझे कभी भी गुस्सा नहीं आया क्योंकि मुझे शुरू से ही पता था कि यह सब झूठ है। जब कोई झूठ बोल रहा है तो मैं उस पर क्यों गुस्सा करूं। सारी बातें, सारे आरोप झूठे थे, इसलिए मैं शांत था।

शाहरुख खान के साथ इस गैंगस्टर फिल्म में काम करना चाहते थे राम गोपाल वर्मा, निर्देशक का खुलासा

निर्देशक राम गोपाल वर्मा फिल्मों से ज्यादा अक्सर अपनी कही बातों की वजह से सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने एक चौंका देने वाला खुलासा किया है। निर्देशक ने कहा है कि 2002 की गैंगस्टर फिल्म कंपनी के लिए उनकी पहली पसंद अजय देवगन और विवेक ओबेरॉय नहीं थे। उन्होंने कहा कि अंडरवर्ल्ड डॉन की भूमिका में वह शाहरुख खान को चाहते थे। वहीं, अभिषेक बच्चन को छोटा राजन पर आधारित किरदार में देखना चाहते थे। इसके अलावा निर्देशक ने कमल हासन को एक भूमिका में कास्ट करने पर भी विचार किया था, जिसे अंततः मोहनलाल ने निभाया था।अपने यूट्यूब चैनल पर हाल ही में साझा किए गए एक वीडियो में निर्देशक ने फिल्म कंपनी पर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने फिल्म के खास सीन और इस फिल्म की कास्टिंग प्रक्रिया पर भी अपने विचार साझा किए। वीडियो में राम गोपाल वर्मा ने कहा कि फिल्म में मलिक की भूमिका के लिए उनका शुरुआती विचार शाहरुख को कास्ट करने का था। उन्होंने कहा, एक समय मैं शाहरुख को चाहता था। मैं उनसे मिला, वह उत्साहित थे। मैं दाऊद के लिए शाहरुख को चाहता था, लेकिन मुझे लगा कि वह अति सक्रिय हैं। उनमें बहुत ऊर्जा है और लोगों को यही पसंद है। मैंने उन्हें कुछ ऐसा बनाने की सोच रहा था जो ज्यादा चलते फिरते नजर नहीं आए और ज्यादातर शांत रहे। मुझे लगा कि यह स्क्रीन पर बहुत अजीब लगेगा। उनका शारीरिक हाव भाव किरदार के हिसाब से फिट नहीं बैठ पा रहा थे। उन्होंने कहा, एक अभिनेता होता है और एक परफॉर्मर। शाहरुख एक परफॉर्मर हैं। वह अति सक्रिय हैं, यही बात है, जिससे दर्शकों उनसे प्यार कराते हैं। इसके बाद मैंने अजय देवगन के नाम पर विचार किया, क्योंकि उनके शारीरिक हाव भाव प्राकृतिक रूप से ऐसे ही थे। मुझे लगा कि इस भूमिका के लिए वही सबसे अधिक उपयुक्त हैं। उन्होंने आगे खुलासा किया कि कमल हासन के साथ ही उन्हें वैसा ही महसूस हुआ जैसा शाहरुख के साथ हुआ था, इसलिए उन्होंने बाद में मोहनलाल से संपर्क किया।

जान-बुझ कर गुल्लक 4 से पहले लिया था हेली ने ब्रेक

बोलीं- लगातार काम करके मैं जीना भूल गई थी

हेली शाह ने हाल ही में गुल्लक सीजन 4 में नजर आईं। हेली ने इस शो के जरिए के साथ अपना ओटीटी डेब्यू किया है। दर्शकों को इस शो में उनका किरदार काफी पसंद आया। इस शो से पहले वे आखिरी बार सीरियल इश्क में मरजावां 2 में नजर आई थीं। इस सीरियल के बाद उन्होंने लगभग तीन साल लंबा ब्रेक लिया था। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान वे अपने इस ब्रेक के विषय में खुलकर बातें करती नजर आईं।

लगातार काम करके मैं थक गई थी

हेली शाह ने काफी कम उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था। अभिनेत्री कहती हैं, मैं काफी लंबे समय से काम कर रही थी। मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं जीना भूल गई हूं। मुझे ब्रेक चाहिए ही था। मैं मानसिक रूप से मैं बहुत मजबूत हूं, लेकिन फिर भी यह कठिन था। मैं खुद से सवाल करने लगी थी कि मैं सही कर रही हूं या नहीं। मैंने जान बुझ कर लंबा ब्रेक लिया और इस दौरान मैंने खुद को समझा और जाना।

आर्थिक तंगी का किया सामना हेली शाह अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, जिन दिनों मैं ब्रेक पर थी लोग मुझसे सवाल करते थे कि मैं काम क्यों नहीं कर रही हूं। मेरी मां को भी आश्चर्य होता था, लेकिन मुझे अपने लिए समय चाहिए था। मैंने इस दौरान काफी नई चीजें सीखीं और उससे भी जरुरी एक चीज जो मैंने इतने सालों में सीखा और मेरे किसी काम का नहीं था उसे मैंने छोड़ने की कोशिश की। मैं एक इंसान के तौर पर लगातार काम करके खालीपन महसूस करने लगी थी। हां इस ब्रेक की वजह से मुझे आर्थिक तंगी जरूर महसूस हुई, लेकिन मुझे इस बात से कोई शिकायत नहीं है।

कान में प्रतिभाशाली लोगों को जाना चाहिए इस साल कान फिल्म फेस्टिवल में कई टीवी स्टार्स और सोशल मीडिया के कई इन्फ्लुएंसर भी देखे गए। इस विषय पर बात करते हुए हेली कहती हैं, जो प्रतिभाशाली लोग हैं उन्हें कान में जाने का मौका मिलना ही चाहिए, लेकिन इस साल बहुत सारे लोग कान में देखे गए। मुझे यह भी लगता है कि इस तरह भीड़ के बढ़ने से कान फिल्म फेस्टिवल की विशिष्टता थोड़ी कम हो गई है।

शाहरुख के साथ पर्दे पर नजर आएंगी सामंथा?

इस मशहूर निर्देशक की फिल्म को लेकर लगाई जा रहीं अटकलें

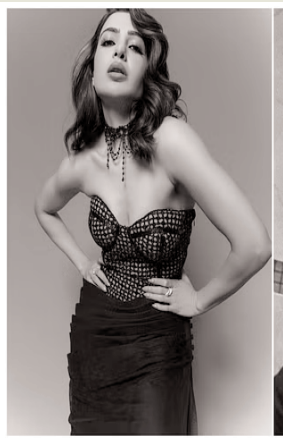

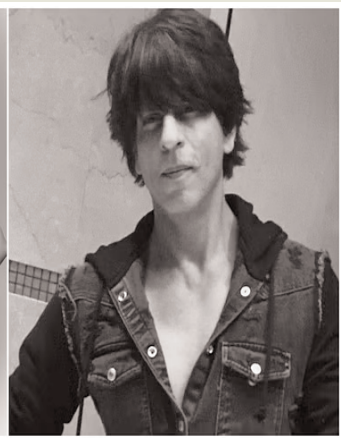

सामंथा रुथ प्रभु आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। वह साउथ फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री हैं। फैंस उनकी हर फिल्म का बेसब्री से इंतजार करते हैं। अभिनेत्री भी अपने फैंस से सोशल मीडिया के द्वारा लगातार जुड़ी रहती हैं। हाल में ही अभिनेत्री ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। उनका नाम पिछले दशक के 100 सबसे यादा पसंद किए जाने वाले भारतीय कलाकारों की आईएमडीबी सूची में शामिल हुआ था। वह ना सिर्फ इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल हुईं थीं, बल्कि उन्हें इस सूची में 13वां स्थान मिला था। अब अभिनेत्री के अगली फिल्म को लेकर अटकलों का बाजार काफी गर्म है।

शाहरुख और सामंथा के साथ काम करने की है अटकलें सामंथा को पसंद करने वाले फैंस की सूची काफी लंबी है। उनके फैंस उनसे जुड़ी हर छोटी-बड़ी खबरों पर नजरे गड़ाए रहते हैं। इस वक्त उनकी अगली फिल्म को लेकर अफवाहें तेजी से फैल रही हैं, जिससे अभिनेत्री के फैंस काफी उत्साहित हैं। दरअसल, सामंथा ने कई मौकों पर ये जताया है कि वो शाहरुख खान की बड़ी फैन हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा भी था कि वह शाहरुख के साथ काम करना चाहती हैं। इस वक्त ये अटकलें काफी तेज हैं कि अभिनेत्री अपनी अगली फिल्म में सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ नजर आने वाली हैं।

नहीं हुई है ऐसी कोई आधिकारिक घोषणा फिल्मी गलियारे में ये अफवाहें तेजी से फैल रही है कि सामंथा अपनी अगली फिल्म में शाहरुख के साथ नजर आने वाली हैं। अफवाहों के मुताबिक, वह मशहूर निर्देशक राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित फिल्म में काम करने वाली हैं। इस फिल्म में शाहरुख और राजकुमार हिरानी एक बार फिर से साथ आने वाले हैं। इससे पहले दोनों की जोड़ी ने डंकी में एक साथ काम किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल साबित हुई थी। अगर ये बातें सही साबित होती हैं, तो सामंथा पहली बार राजकुमार हिरानी और शाहरुख के साथ काम करेंगी। कहा जा रहा है कि यह फिल्म एक्शन से भरपूर देशभक्ति वाली फिल्म होगी। बता दें कि इन अफवाहों को लेकर शाहरुख, सामंथा या राजकुमार हिरानी, किसी के भी तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

सिटाडेल में वरुण धवन के साथ आएंगी नजर बात करें दोनों कलाकारों के वर्क फ्रंट की तो सामंथा रुथ प्रभु जल्द ही राज एंड डीके की वेब सीरीज सिटाडेल में नजर आएंगी। इसमें वे वरुण धवन के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। यह सीरीज सिटाडेल नाम से ही बनी अंग्रेजी सीरीज का हिंदी रुपांतरण है। वहीं, शाहरुख फिलहाल अपनी आगामी फिल्म किंग को लेकर व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह डॉन के किरदार में नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी।

टाइगर के अभिनय का बचाव करते दिखे अहमद खान, बोले- वह सुपरस्टारडम से महज एक फिल्म हैं दूर

बॉक्स ऑफिस पर छाए रहने वाले टाइगर श्रॉफ के सितारे इन दिनों गर्दिश में चल रहे हैं। उनकी लगातार तीन बड़े बजट की फिल्में हीरोपंती 2 , गणपत और बड़े मियां छोटे मियां को लोगों ने नकार दिया, जिसकी वजह से अभिनेता मुश्किल भरे दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि, निर्देशक अहमद खान का मानना है कि टाइगर को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। निर्देशक के मताबिक वह महज एक फिल्म से सुपरस्टार बनने की राह पर दोबारा लौट आएंगे। एक बातचीत में जब अहमद से टाइगर को लेकर सवाल किया गया कि टाइगर के मौजूदा करियर संघर्षों को देखते हुए क्या उन्हें बड़े बदलाव करने की ज़रूरत है? इस बारे में अहमद ने कहा कि दर्शकों की निराशा जायज है। हालांकि, उन्होंने टाइगर के समर्पण और काम करने की तरीके की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, आमतौर पर लोग कहते हैं, आपको कड़ी मेहनत करनी होगी, लेकिन टाइगर के लिए आपको कहना पड़ता है कि और मेहनत मत करो... उसे क्या ही सलाह दी जा सकती है? वह समय पर आता है, उसे सेट पर कोई परेशानी नहीं है, वह जो भी कहता है वह करता है। एक अभिनेता को क्या चाहिए? उसके पास अछा शरीर है। वह डांस कर सकता है। वह एक्शन कर सकता है और अभिनय की बात करें तो उसको कौन सी अर्ध सत्य करनी या गरम मसाला जैसी आर्ट फिल्में करनी है। फिल्म निर्माता ने आगे कहा, वह कमर्शियल फिल्में करता है। इसे ही सीखना कहते हैं। हर हीरो इस यात्रा से गुजरा है, और हर कोई इसी तरह सीखता है। वह अगले साल वापसी करेगा, क्योंकि यह एक ऐसा दौर है, जिससे हर अभिनेता गुजरता है, घबराने की कोई बात नहीं है। टाइगर श्रॉफ बस एक कदम दूर हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अहमद खान बतौर निर्देशक वेलकम टू द जंगल पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार समेत कई बड़े सितारे नजर आने वाले हैं। वहीं, टाइगर की बात करें तो वह सिंघम अगेन में दिखने वाले हैं। फिल्म को दिवाली के आसपास रिलीज करने की तैयारी है।

इश्क विश्क रिबाउंड के कलेक्शन में मामूली सुधार, चंदू चैंपियन-मुंजा ने कमाए इतने करोड़

सिनेमाघरों में हाल ही इश्क विश्क रिबाउंड रिलीज हुई है। हालांकि, फिल्म को लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इसके अलावा टिकट खिड़की पर चंदू चैंपियन भी कमाई के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। यह फिल्म अब तक उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी है। वहीं, बॉक्स ऑफिस पर मुंजा अब भी मजबूती से टिकी हुई है। आइए जानते हैं कि शनिवार को कौन सी फिल्म ने कैसा कारोबार किया।

इश्क विश्क रिबाउंड

पश्मीना रोशन, रोहित सराफ और जिब्रान खान अभिनीत इश्क विश्क रिबाउंड की चर्चा लंबे समय से चल रही थी। फिल्म का निर्देशन निपुण अविनाश धर्माधिकारी ने किया है। यह फिल्म दर्शकों पर अपना जादू चलाने में नाकाम साबित हुई है। फिल्म के पहले दिन का कलेक्शन काफी कम था। शुक्रवार को फिल्म ने 85 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। ताजा आंकड़ों के मुताबिक शनिवार को फिल्म ने एक करोड़ 15 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई दो करोड़ 15 लाख रुपये हो गई है।

चंदू चैंपियन

कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन भी टिकट खिड़की पर अपना दम नहीं दिखा सकी है। यह फिल्म पहले दिन से ही उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर सकी है। बड़े बजट में बनकर तैयार हुई इस फिल्म का अब अपनी लागत भी वसूल करना काफी मुश्किल नजर आ रहा है। स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की जीवनी पर आधारित इस फिल्म में कार्तिक आर्यन की अदाकारी दर्शकों के दिलों को छू रही है, लेकिन कबीर खान एक बार फिर निर्देशक के तौर पर चूक गए हैं। पहले हफ्ते में इस फिल्म ने 35.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। ताजा आंकड़ों के मुताबिक नौवें दिन फिल्म की कमाई में थोड़ा सुधार नजर आया है। इस फिल्म ने दूसरे शनिवार को चार करोड़ 85 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 42.75 करोड़ रुपये हो गई है। फिल्म मुंजा टिकट खिड़की पर अपना जादू चलाने में सफल रही है। टिकट खिड़की पर फिल्म की पकड़ लगातार बरकरार है। पहले हफ्ते में इस फिल्म ने 35.3 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे हफ्ते में इस फिल्म ने 32.65 करोड़ रुपये बटोरे थे। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 16वें दिन इस फिल्म ने पांच करोड़ 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 76.45 करोड़ रुपये हो गई है।

मैहर विधायक श्री कांत चतुर्वेदी विकास पथ पर बिना रुके चलते हुए

शासकीय विवेकानंद महाविधालय जन भागीदारी समिति के सभी सदस्य प्राचार्य स्टाफ के साथ की प्रमुख बिंदुओं पर एजेंडा रूपेण चर्चा हुई

निवास मिश्रा । सिटी चीफ ।
मैहर, आज दिनाँक 21 जून को शासकीय विवेकानंद स्नाकोत्तर महाविद्यालय मैहर में लोकप्रिय विधायक श्री श्रीकांत चतुर्वेदी जी ने जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष संतोष पाण्डेय (राजा भैया) , प्राचार्य डाक्टर अरुण कुमार गौतम,सदस्य गण मे श्रीमती अंबिका वेरी जी,श्रीमती संतोष चौरसिया जी,राकेश गुप्ता जी, रवि सराफ जी,पी.के. मिश्रा जी सुशील खेट?पाल,संतोष अग्रवाल, डॉ. बीके गौतम जी कन्या स्कूल के प्राचार्य, प्रदीप पांडेय जी, दिलीप दुबे जी,रवींद्र सिंह आदि के साथ एक बैठक मीटिंग के रूप में कॉलेज मय स्टाफ स्टाफ के साथ की। आज की इस प्रथम मीटिंग मे महाविद्यालय के उत्थान एवं प्रगति हेतु एजेंडा बनाकर लिखित रूप से समिति के समक्ष प्रस्तुत कर समिति के सदस्यों के सुझावों के साथ कुछ बिंदुओं पर चर्चा की गई। जिसमे जो भी प्रमुख समस्याएं है उनके निदान हेतु जन भागीदारी समिति, जन भागीदारी समिति के शिक्षकों के वेतन में 5% की वृद्धि की जाएगी। शासन से

महाविद्यालय के उत्थान हेतु आवश्यक प्रयास किया जाएंगे जैसा कि ज्ञात हो मैहर विधायक श्री कांत चतुर्वेदी जी के अथक प्रयास से जिला बनने पर शासकीय विवेकानंद महाविद्यालय को पी एम कॉलेज एक्सीलेंस में सम्मिलित कर लिया गया है। जिसका शुभारंभ 1 जुलाई से हो जाएगा यह मैहर की धारा के लिए शिक्षा के विकास हेतु ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से आने वाले विद्यार्थियों के लिए लाभार्थ कॉलेज साबित होगा इस कॉलेज में सभी संकाय के विषयों का अध्यापन कराया जायेगा। एक सुंदर पुस्तकालय पर्याप्त पुस्तको के साथ बनाया जायेगा। जैसा कि ज्ञात हो मैहर विधायक श्री कांत चतुर्वेदी जी ने मैहर कालेज को छात्र छात्राओ के अध्यन हेतु आने जाने के लिए दो बस देने के लिए कहा था जिसका किराया अत्यन्त ही कम हो अर्थात 5 रुपये में (आना-जाना) हो। जिसे सभी छात्र छात्राएं दे सके।निश्चित यह बस की व्यवस्था होने से जो छात्र छात्राओ का आने जाने मे अधिकतम किराया प्रायवेट वाहनो से लगता था उसका निदान होगा। कालेज एवं जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष संतोष पाण्डेय, सभी छात्र छात्राओ ने विधायक जी की इस पहल का स्वागत किया। आज जो मैहर कालेज को पी एम कालेज इक्सिलेंस की सौगात मिली है उससे सम्पूर्ण जिले में शिक्षा का गुणोत्तर सुधार होगा। इस मीटिंग पर सभी लोगो ने सार्थक सुझाव दिये। सभी लोगो का कालेज प्रबन्धन की तरफ से स्वागत किया गया। अंत मे आये हुए सभी लोगो का आभार प्रकट प्राचार्य डाक्टर अरुण कुमार गौतम जी ने किया।

नीट यू जी परीक्षा 2024 में हुई धांधली को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

भाजपा को घेरा, जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग

निवास मिश्रा । सिटी चीफ ।
मैहर, मैहर हाल ही में नीट परीक्षा में हुए पेपर लीक एवं अन्य गड़बड़ियों को लेकर परीक्षा प्रतिभागियों के बीच जमकर आक्रोश को मुखर देते हुए कांग्रेस ने आज प्रदेश भर में धरना देकर इस पूरे प्रकरण में भाजपा सरकार को घेरते हुए जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की। मैहर जिला कांग्रेस कमेटी ने जिलाध्यक्ष धर्मेश घई के नेतृत्व में ज्ञापन कलेक्टर मैहर को राज्यपाल के नाम सौंपा।कलेक्टर मैहर की ओर से तहसीलदार जितेंद्र पटेल ने ज्ञापन स्वीकार किया।इस दौरान तमाम वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सहित सभी मोर्चे प्रकोष्ठ एवं विंगो के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।जिलाध्यक्ष धर्मेश घई ने कहा कि इस प्रकार के कदाचारों से हमारी वैश्विक छवि धूमिल होती है।ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी दद्दा ने भाजपा सरकार को दोषी ठहराते हुए कहा कि भाजपा शासित राज्यों में पेपर लीक की घटनाएं महज संयोग नहीं है बल्कि नकल माफिया और सरकार के बीच सांठ गांठ को

उजागर करता हैं।उन्होंने आगे कहा कि यह सरकार हमारे देश की प्रतिभाओं की निर्मम हत्या कर रही है। चूड़ामणि बाड़ोलिया ने पूरे प्रकरण की उच्च स्तर की जांच कर अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने की बात कही।इस दौरान किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह वरिष्ठ कांग्रेस नेता योगेंद्र सिंह नागेंद्र नाथ बडगैन्या मनीष पटेल केशव चौरसिया रामवतार चोरसिया अरुण तनय मिश्रा जिला अध्यक्ष सेवादल मैहर ब्लॉक अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी दद्दा नादान ब्लॉक के अध्यक्ष रामभद्र पांडेय अमदरा के अध्यक्ष अमजद खान बैज नाथ कुशवाहा आप पार्टी पूर्व पार्षद रामराज सिंह चूड़ामणि बाड़ोलिया रमेश अमृत लाल पटेल प्रजापति महिला कांग्रेस से विनीता सोनी अनीता शर्मा सुषमा अरजरिया युवा कांग्रेस से शिवम पांडे यशवंत सिंह अखिल मिश्रा मुकेश सेन सुनील कोरी सेवादल से शेख जबरिल अजय विश्वकर्मा मोनू सिंगरोल अक्षय कुमार दहिया अधिवक्ता दिनेश द्विवेदी जितेंद्र कुशवाहा बच्चू बडगैया बबलू पटेल पंकज कुशवाहा हरवंश तिवारी ईश्वर दिन कुशवाहा वीरेंद्र नामदेव मोहम्मद शरीफ दीपांजलि पटेल सपना साकेत शिवानी पाल जावेद नसीब खान इमी दद्दा रोशनलाल कुशवाहा आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

कटनी में मैनेजर को चुना भट्टा में फेक हत्या का मामले का हुआ खुलासा

चोरी करते देखा तो मैनेजर को कर्मचारियों ने मारकर भट्टे में जलाया

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, कटनी के कुठला पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है कुठला पुलिस द्वारा दो दिवस पूर्व चुना भट्टा के मैनेजर की चुना भट्टा में फेक हत्या का खुलासा किया गया है। 20 जून को समनू विश्वकर्मा ग्राम मुडेहरा थाना बड़वारा की हत्या कर उनका शव ग्राम कछगवां स्थित सिमको लाईम कम्पनी के चूना भट्टे में डाल दिया था इस वारदात के बाद पुलिस को एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन कर शव को स्थानीय लोगो व फायर बिग्रेड की मदद से आग काबू पाने पर चूना भट्टे के अन्दर से काफी मशक्कत के बाद बाहर निकालने में सफलता मिली थी शव को भट्टे से बाहर निकालने पर वह लगभग जल चुका था और शव किसका है, पहचान में नही आ रहा था। मौके पर उपस्थित तीरथ विश्वकर्मा निवासी ग्राम मुडेहरा थाना बड़वारा ने बताया कि उसके बड़े पिताजी समनू प्रसाद विश्वकर्मा भट्टे में नही है और उनका फोन भी नही लग रहा है गुरुवार के दिन भट्टे में छुट्टी का दिन होता है जो घर पर भी नही पहुँचे है। तीरथ विश्वकर्मा को जले हुए शव को दिखाकर पहचान करने हेतु कहा गया जिसने बदन पर पहनी हुई अण्डर वियर के आधार पर शव की अपने बड़े पिता समनू विश्वकर्मा निवासी ग्राम मुडेहरा थाना बड़वारा के रूप में की।

मृतक के बेटे तीरथ विश्वकर्मा ने बताया कि उसके बड़े पिता सिमको लाईम कम्पनी में करीब पच्चीस वर्षों से कैशियर का काम करते थे जो कम्पनी के कमरे में ही रहते थे और सप्ताह में एक दिन घर आते थे । दिनांक 20 जून को बड़े पिता के भट्टा में न होने की सूचना मिलने पर उन्हे देखने आया था। मेरे बड़े पिता को किसी अज्ञात व्यक्तियो द्वारा हत्या कर जलते हुए चूना भट्टा में डाल दिया है जिससे उनकी मृत्यु हो गई है। घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को घटना के संबंध मे अवगत कराया गया एवं आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त कर घटना स्थल को तत्काल सील किया गया। घटना की देहाती नालसी लेख कर थाना कुठला में असल अपराध अज्ञात आरोपी के विरुद्ध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया। घटना के बाद से ही पूरे क्षेत्र के साथ समूचे संभाग में यह खबर आग की तरह फैल गई यह हत्याकाण्ड पूरी तरह से ब्लाइण्ड था तथा पुलिस के समक्ष इसका खुलासा करने की चुनौती बन गई थी कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए जलते हुए भट्टे में सिमको लाईम कम्पनी के मैनेजर समनू विश्वकर्मा की हत्या की सभी पहलुओ पर बारीकी से जाँच करते हुए कुठला पुलिस को मुखंबिरो के द्वारा कुछ द्वारा कुछ अहम सुराग हासिल हुए जब उन सुरागो की तफ्तीश की गई तो ज्ञात हुआ कि चूना भट्टा में काम करने वाले मजदूरो की संलिप्ता पर संदेह हुआ जिसके आधार पर संदेही आशीष सिंह ठाकुर, विनोद सिंह, रंजीत सिंह उर्फ गोलू, सनम सिंह से हिकमत अमली के साथ लगातर पूछताछ करने पर आशीष सिंह के द्वारा अपने अन्य साथी विनोद सिंह, रंजीत सिंह उर्फ गोलू, सनम सिंह के साथ घटना घटित करना बताया आरोपियों के मेमोरेण्डम के आधार आरोपी विनोद से तिजौरी की चाबी विनोद के पेंट से एवं आशीष के घर से नगदी 60 हजार रुपये एवं हिसाब किताब का रजिस्टर बरामद किया गया है। शेष 20 हजार रूपये आरोपी गोलू ने अपनी मां बृजरानी को दे दिये थे आरोपी रंजीत सिंह उर्फ गोलू की मां बृजरानी से 20 हजार रूपये जप्त होना शेष है आरोपियों से पूछताछ जारी है। अरेस्ट हुए आरोपियों के नाम 1 आशीष सिंह ठाकुर पिता स्व देवी सिंह ठाकुर उम्र 28 वर्ष, 2 विनोद सिंह पिता ज्ञान सिंह उम्र 35 वर्ष, 3 रंजीत उर्फ गोलू सिंह पिता देवी सिंह उम्र 24 वर्ष, 4 सनम सिंह पिता वीरेन्द्र सिंह उम्र 19 वर्ष सभी निवासी कछगवा थाना कुठला जिला कटनी।

शिवपुरी में मिला एक ट्रक ड्राइवर का शव, फैली सनसनी

पुलिस ने केस दर्ज कर शुरू कर दी जांच

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ ।
शिवपुरी, शिवपुरी शहर की के ग्वालियर बायपास क्षेत्र में एक ट्रक ड्राइवर का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। ट्रक ड्रायवर की हत्या बीती रात सिर पर पत्थर पटककर की गई है। लेकिन ड्राइवर के साथ किसी प्रकार की लूटपाट जैसी कोई घटना नहीं हुई है। कोतवाली पुलिस ने शव को पीएम हाउस भेज दिया है।
मृतक के भाई नवस्ती जाटव ने बताया कि सूचना मिलते ही में नूरावाद से शिवपुरी आया उशुरू कर दी सने बताया कि मेरा भाई भारत परचून का सामान लेकर दिल्ली से भोपाल जा रहा था ट्रक में दो और ड्राइवर थे जो मौके से फरार हो गए हैं और आशंका है कि उन दोनों ने ही मेरे भाई की हत्या की हो क्योंकि मृतक का शव ट्रक में मिली है वही कोतवाली पुलिस ने हत्या के मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एनएसयूआई ने नीट परीक्षा स्कैम को लेकर ग्वालियर में किया प्रदर्शन

एनएसयूआई के कार्यकर्ता ने कार तख्तियां लेकर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की मांग

अरविंद सिंह पवैया । सिटी चीफ।
ग्वालियर, नीट परीक्षा को लेकर देश भर में प्रदर्शन हो रहे हैं। ग्वालियर में भी एनएसयूआई की राष्ट्रीय अरविंद सिंह पवैया सचिव और प्रदेश प्रभारी ऋतु बराला के नेतृत्व में शहर के गोविंदपुरी चौराहे पर प्रदर्शन किया,एनएसयूआई के कार्यकर्ता ने हाथों में तख्तियां लेकर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की मांग की, इस दौरान एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि अगर नीट परीक्षा को निरस्त नहीं किया गया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की गई,तो 24 जून को दिल्ली के संसद भवन में देशभर के एनएसयूआई कार्यकर्ता, उग्र प्रदर्शन करेंगे,गौरतलब है कि नीट श्वङ्गरू स्कैम को लेकर पूरे देश भर में ही प्रदर्शन जारी हैं। इस मुद्दे पर जमकर सियासत हो रही है। इस बीच अब ह्रस्द्ब ने बड़े उग्र प्रदर्शन का एलान किया है।

चित्रकूट विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष बनाए गए डीएम अनुराग वर्मा

चित्रकूट धाम में प्राधिकरण की सक्रियता के आधार पर कलेक्टर को चार्ज लेने के निर्देश

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ । सतना, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार भगवान श्रीराम वनगमन पथ तथा श्रीकृष्ण पाथेय अर्थात् भगवान श्रीराम ने मध्यप्रदेश के जिन-जिन स्थानों से यात्रा की हैं उन स्थानों को चिन्हित कर तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करेंगे। मध्यप्रदेश सरकार चित्रकूट के आवागमन का मार्ग या लंका विजय के पश्चात पुन- अयोध्या प्रयाण का जो मार्ग है उस मार्ग को चिहिन्त करते हुए तीर्थ के रूप में विकसित करने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम ने जहां 11 वर्ष चित्रकूट धाम में व्यतीत किए हैं। उन्होंने सतना कलेक्टर को चित्रकूट विकास प्राधिकरण का चार्ज लेने के निर्देश दिए हैं। उस स्थान पर समेकित रूप से अलग-अलग स्थानीय और ग्रामीण निकायों और अन्य विभागों को साथ मिलकर एकीकृत योजना बनाते हुए चित्रकूट धाम पर भव्य पैमाने पर भगवान श्रीराम का काल स्मरणीय और दर्शनीय हो इसके लिए कार्य प्रारंभ किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम के गौरवशाली अतीत से प्रदेश का गहरा रिश्ता है। हम सौभाग्यशाली है कि भगवान श्रीराम ने मंदाकिनी के किनारे मध्यप्रदेश में लंबा समय गुजारा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीराम के सभी भक्तों और श्रद्धालुओं से निवेदन करते हुए कहा है कि आइये अयोध्या धाम के साथ चित्रकूट धाम के भी दर्शन करें। सांस्कृतिक रूप से रिश्तों को प्रगाढ़ करें और एक बार मध्यप्रदेश अवश्य पधारें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की मध्यप्रदेश में यात्राओं से संबंधित स्थल जैसे उज्जैन में भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा, जानापाव में भगवान परशुराम जी ने उन्हें सुदर्शन चक्र प्रदान करने तथा धार के पास अमझेरा में रूक्मणी जी के हरण के पवित्र स्थानों को तीर्थ स्थल बनाने जा रही है। श्रीकृष्ण पाथेय मार्ग के लिए पर्यटन एवं संस्कृति विभाग को निर्देश जारी किए गए हैं कि वे हमारे आराध्य भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े लीला स्थलों को चिन्हित करते हुए तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करें।

भाजपा जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा

आज पूरे विश्व में फहरा रही योग की यश-पताका

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
सतना, सतना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने भाजपा कार्यालय के सामने दीनदयाल उपाध्याय पार्क में योग कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया। भाजपा जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जिले को स्वस्थ रहने का संदेश दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तब उन्होंने दुनिया के देशों को स्वस्थ रहने के लिए योग को अपनाने की सलाह दी थी और दुनिया के देशों ने हमारी भारतीय संस्कृति के प्रतीक योग को आत्मसात किया। आज पूरे विश्व में योग की यश-पताका फहरा रही है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भाजपा द्वारा जिले के सभी 22 मंडलों पर योग के कार्यक्रम आयोजित किए गए।
महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि कि यूं तो अनादि काल से ही योग भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। वर्तमान काल खण्ड में भारत के गौरव की यश-पताका को निरन्तर विश्व में लहराने वाले यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इस

भारतीय ज्ञान-मनीषा को समूची दुनिया में लोकप्रिय एवं नवीन पहचान दिलाने का कार्य किया है। आज पूरा विश्व योग के साथ ही भारत के वैभव और निरन्तर प्रगति की मुक्त कंठ से प्रशंसा कर रहा है। मोदी जी के प्रयासों से ही आज विश्व योग दिवस मनाया जा रहा है।
इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा महापौर योगेश ताम्रकार जिला महामंत्री रमाकांत गौतम जिला उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता मुरारी सोनी जिला मंत्री जान्हवी त्रिपाठी जिला कोषाध्यक्ष जय प्रताप गुप्ता जिला कार्यालय मंत्री सुनील सेनानी कारा सह कार्यालय मंत्री अभिषेक तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी श्याम लाल गुप्ता श्यामू , सह मीडिया प्रभारी धीरेन्द्र सिंह राठौर अंजना तिवारी, योग गुरु डॉ मुकेश तिवारी नीलम कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष अभिषेक दत्त पांडेय, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष कृष्णा पांडेय महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सीमा सिंह यादव, रेखा सिंह, उपेंद्र तिवारी केशव कोरी पार्षद आदित्य यादव गंगा कुशवाहा पूजा गुप्ता रत्ना चतुर्वेदी शशि सिंह विनोद जयसवाल मधु बाल्मीक सहित उपस्थित रहे।

यूनाइटेड हेल्थ वर्कर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कराया गया योग

स्किल इंडिया के GDA के छात्रों द्वारा किया गया योग

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
सतना, जिले में 10 वा.अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के अवसर पर युनाइटेड हैल्थ वर्कर वेलफेयर सोसायटी ऑफ इंडिया के संभाग अध्यक्ष डॉ राजीव पांडेय जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार कुशवाहा एवम सदस्यों और स्किल इंडिया के GDA के छात्रों द्वारा योग किया गया। कमान योगा प्रोटो कॉल के तहत छात्रों द्वारा योग प्रार्थना,ताड़ासन , वृक्षासन ,अर्ध चक्रासन, पाद हस्त आसान, त्रिकोणासन,वज्रासन, शशकासन ,वक्रासन ,मकर आसान, भुजंगासन कपालभाति

,अनुलोम विलोम, ब्राह्मणी प्राणायाम इत्यादि योगआसान किया गया। छात्रों को बताया गया कि योग का जीवन में कितना महत्त्व है स्वस्थ्य रहने के लिए हमे प्रतिदिन आधे घंटे योग करना चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर चित्रकूट में नवाचार

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में विशाल योग कार्यक्रम संपन्न

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
चित्रकूट, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में विशाल योग कार्यक्रम एक नवाचार के रूप में संपन्न हुआ। इस मौके पर संत,महात्माओं,महंतों, चित्रकूट क्षेत्र में कार्यरत सरकारी, अर्ध सरकारी, गैर सरकारी,विकास, शैक्षणिक संस्थाओं के पदाधिकारी ,कार्यकर्ताओं, प्रशासन और चित्रकूट अंचल के निवासियों ने मिलकर सामूहिक योगाभ्यास का अभिनव प्रदर्शन किया ।योग के इस विशाल कार्यक्रम में दो हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता की। दीनदयाल सोच संस्थान के संगठन सचिव एवं महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की प्रबंध मंडल के सदस्य अभय महाजन इस विशेष आयोजन के प्रमुख सूत्रधार थे। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो भारत मिश्रा की संस्थागत अगुवाई में संपन्न इस योग कार्यक्रम में पूरे उत्साह एवं योग अनुशासन के साथ सहभागियों में संधि योग, उच्चारण, आसन , सूर्य नमस्कार प्राणायाम, संकल्प आदि का अभ्यास किया। कार्यक्रम का शुभारंभ खेल परिसर में बनाए गए योगासन मंच में भारत माता के तैल चित्र पर संतोषी अखाड़ा के महंत राम जी दास, दिगंबर अखाड़ा के महंत दिव्य जीवनदास, जानकी महल के महंत सीता शरण दास, गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख डॉ रामनारायण शास्त्री, दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन, सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी डॉ वी के जैन, सीएमओ विशाल सिंह एवं कुलसचिव नीरजा नामदेव द्वारा किए गए माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ।

तत्पश्चात सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट ट्रस्ट के योग शिक्षक डॉ तुषार कांत शास्त्री ने योग , आसन,प्राणायाम कराया। दीन दयाल शोध संस्थान के दशरथ प्रजापति ने सूर्य नमस्कार कराया। संपन्न गतिविधियों की श्रृंखला में संधि योग,संधि चालान क्रिया, ताड़ासन वृक्षासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, भुजंगासन सेतुबंध आसन, पवनमुक्तासन, शव आसन, कराया गया। सूर्य नमस्कार अभ्यास के बाद प्राणायाम, अनुलोम विलोम, कपाल भाती, भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास

कराया गया। अभ्यास के दौरान मुख्य मंच से निर्देशन कर रहे योग प्रशिक्षकों के अनुशासन एवं मार्गदर्शन संबोधन के दौरान योगाभ्यासियों को आसन,प्राणायाम , सूर्य नमस्कार से होने वाले लाभों एवं सावधानियां का वर्णन भी कर रहे थे। स्वयं के लिए योग, समाज के लिए योग के सामूहिक संकल्प का वाचन भी किया गया।

इस अवसर पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने सामूहिक योग कार्यक्रम के लिए आए लोगों का स्वागत करते हुए कहा की प्रसन्नता का विषय है कि इस विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलाधिपति भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नाना जी देशमुख की भावना के अनुरूप चित्रकूट के लोग ग्रामोदय विश्वविद्यालय में योगाभ्यास के लिए एकत्रित हुए हैं। ग्रामोदय विश्वविद्यालय अपनी स्थापना कल से योग की अकादमिक गतिविधियां निरंतर संचालित कर रहा है। कुलगुरु प्रो मिश्रा ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय के अकादमिक विकास की चर्चा करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा संचालित नवाचारों एवं राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला ।सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी डॉ वी के जैन ने कहा कि चित्रकूट की संस्थाओं द्वारा एक साथ एकत्र होना स्वयं में एक योग है। योग व्यक्ति और समाज के सामंजस्य पूर्ण कार्य संयोजन का विशिष्ट माध्यम है योग को अपनी दिनचर्या में अपना कर व्यक्ति और भी गतिशील बन सकता है। योग से प्रकृति एवं आध्यात्म के सन्निकट पहुंचा जा सकता है। चिकित्सीय दृष्टिकोण से समझाते हुए डॉ वी के जैन ने स्वास्थ्य में योग के महत्व को प्रतिपादित किया ।संतोषी अखाड़ा के महंत श्रीराम जी दास ने अपने आशीर्वचन में मानव जीवन में योग के महत्व को बताते हुए बताते हुए इसे नित्य दिनचर्या में शामिल करने का आवाहन किया। उन्होंने योग के लाभों के अनेक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि योग के माध्यम से व्यक्ति अपने और समाज के विकास में सार्थक योगदान कर सकता है ।सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के सूत्रधार दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन ने पूरे विश्व में मनाई जा रहे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के महत्व को बताते हुए चित्रकूट में आयोजित होने वाले सामूहिक योग के इस विशेष कार्यक्रम के औचित्य पर प्रकाश डाला और कहा कि हार्दिक प्रसन्नता का विषय है कि भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नाना जी के संकल्प को यथार्थ का धरातल प्रदान करने में चित्रकूट की सभी संस्थाओं और लोग मिलकर जुटे हुए हैं। उन्होंने चित्रकूट में मिल जुल कर काम करने की संस्कृति को विकसित करने के प्रयासों के रूप में 21 जून को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम एवं रामनवमी को चित्रकूट गौरव कार्यक्रम को एक सफल कदम बताया। कार्यक्रम के मध्य ग्राम दर्शन पर बनाए गए सेल्फी पॉइंट में लोगों ने जाकर पूरे उत्साह के साथ अपनी फोटो खिंचवाई।

इस अवसर पर सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट, महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती उषा जैन, राजेंद्र मिश्रा, वयोवृद्ध राम नारायण सोनी, पी एल अवस्थी, प्रबल श्रीवास्तव, डॉ अश्विनी अवस्थी आदि गणमान्य लोगों सहित ग्रामोदय विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अनुभागाध्यक्ष, निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रही।

कब्रिस्तान की भूमि से गंदा पानी निकालने को लेकर चल रहे विवाद में दो पक्ष आए आमने- सामने

पुलिस के साथ एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर की जांच

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर। देवबंद, देवबंद कोतवाली क्षेत्र के खेड़ामुगल गांव में कब्रिस्तान की भूमि से गंदा पानी निकालने को लेकर चल रहे विवाद में दो पक्ष आमने- सामने आ गए। सूचना पाकर पुलिस के साथ एसडीएम मौके पर पहुंचे और जांच की। प्राप्त जानकारी के अनुसार खेड़ामुगल गांव स्थित कब्रिस्तान में गांव का गंदा पानी निकालने को लेकर पिछले काफी समय से विवाद चल रहा है। इसी मामले को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। सूचना मिलने पर एसडीएम देवबंद अंकुर वर्मा मौके पर जांच को पहुंचे। प्रधान गुरपाल ने बताया कि वह गांव के चकरोड से होकर गंदे पानी की निकासी को नाला बनवा रहे थे, लेकिन कुछ लोगों ने काम को रुकवा दिया और कब्रिस्तान की भूमि से ही नाला निकलवाने पर अड़े हैं।एसडीएम अंकुर वर्मा ने बताया कि कब्रिस्तान की भूमि में ग्राम पंचायत द्वारा गंदे पानी की निकासी के लिए पक्की नाली बनवाने को समझौते की बात तीन सप्ताह पूर्व की गई थी। इस दौरान कब्रिस्तान का भराव करा दिया गया।

जबकि अब कब्रिस्तान पक्ष वहां से पानी निकालने का विरोध कर रहा है। दोनों पक्षों से बात कर विवाद निपटाया जाएगा।

नागौर जिला कलेक्टर पहुंचे मेड़ता रोड

मेड़ता रोड में जन सुनवाई में सीएचसी भवन.... नगरपालिका व पेयजल संकट का मुद्दा छाया रहा

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ ।
मेड़ता रोड । मेड़ता रोड के बाइपुरा में स्थित अटल सेवा केन्द्र में जिला कलेक्टर अरूण कुमार पुरोहित के द्वारा जनसुनवाई की गई। जिसमें पानी व नाला- सड़क निर्माण के मुद्धे छाए रहे। सीएचसी भवन बनाए जाने व नगरपालिका घोषित करवाने की मांग गई। शुक्रवार की शाम करीब छह बजे जन सुनवाई कार्यक्रम में मेड़ता रोड के सदर बाजार, कुम्हारों का मोहल्ला, शिवरामपुरा, बाइपुरा आदि क्षेत्र में पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों ने हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन दिए। इसी प्रकार ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को बताया कि गत वर्ष प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत कर दिया गया, मगर आज तक ना तो भवन निर्माण की प्रक्रिया चालू हुई है और ना ही बजट देने के बाद टेंडर किया गया है। पुराने भवन में ही केवल नाम परिवर्तित करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य

केन्द्र संचालित किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। कस्बे में हाल ही में नवनिर्मित सड़क के पास नाला निर्माण करवाने की भी मांग की गई। भाजपा नेता कैलाश लटियाल, उप सरपंच मनीष शर्मा आदि के द्वारा नगरपालिका बनाए जाने व सीएससी भवन शीघ्र बनाए जाने की मांग की गई। जन सुनवाई में उपखंड अधिकारी पूनम चौधरी, डिस्कॉम के एक्सईएन रामजीवण जाखड़, एईएन मनोज बंसल, जेईएन दिलीप फरड़ौद, राजस्व निरीक्षक यशवंतराज उपाध्याय, पटवारी पतराम विश्नोई, उप सरपंच मनीष शर्मा, भाजपा नेता कैलाश लटियाल आदि मौजूद रहे।

मण्डलायुक्त सहारनपुर डा. हृषिकेश भास्कर यशोद ने किया स्पोर्टस कॉलेज का निरीक्षण

स्पोर्टस कॉलेज का निर्माण जुलाई के अन्त तक पूर्ण करने के दिये निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर। मण्डलायुक्त सहारनपुर डा0 हृषिकेश भास्कर यशोद द्वारा तहसील बेहट पहुँचकर निर्माणाधीन स्पोर्टस कॉलेज का स्थलीय निरीक्षण किया गया। मण्डलायुक्त डा0 हृषिकेश भास्कर यशोद द्वारा कॉलेज का निर्माण माह जुलाई के अन्त तक पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। माह अगस्त-2024 से स्पोर्टस कॉलेज क्रियायाशील किया जाना है। कार्यदायी संस्था द्वारा अवगत कराया गया कि शासन की ओर से 07 करोड़ रू0 की किश्त प्राप्त हो चुकी है तथा रू0 21 करोड़ की किश्त शासन द्वारा स्वीकृत कर दी गयी है जल्दी ही प्राप्त हो जायेगी। मौके पर श्रेणी-1 के 12 आवासों में ब्रिक कोबा, किचन, सी0सी0 फ्लोरिंग का कार्य पूर्ण हो गया है तथा विद्युतीकरण व रंगाई-पुताई का कार्य प्रगति में है, जिसे तत्काल पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये। मण्डलायुक्त डा0 हृषिकेश भास्कर यशोद द्वारा टाईप-2 व टाईप 3 के आवास भी शीघ्र पूर्ण कराये जाने तथा सभी सामग्री विशेष रूप से विद्युतीकरण कार्य में उपयोग की जाने वाली उच्च गुणवत्ता की लगाये जाने के भी निर्देश दिये गये। कार्यदायी संस्था के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि शूटिंग रेंज का कार्य 31 जुलाई तक व एकेडमिक भवन का कार्य 31 अगस्त तक पूर्ण करा लिया जायेगा। विद्युत सब स्टेशन 11 के0वी0 क्षमता का बनना है जिसके लिए विद्युत विभाग में धनराशि जमा कर दी गयी है। निर्देश दिये गये कि

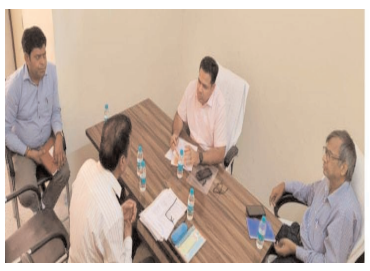

सब स्टेशन को शीघ्र क्रियाशील कराया जाए। गार्ड रूम व मेन गेट जुलाई तक पूर्ण किये जाने का आश्वासन कार्यदायी संस्था द्वारा दिया गया।

मण्डलायुक्त द्वारा यह भी निर्देश दिये गये कि एप्रोच रोड के दोनों ओर व परिसर के आंतरिक सड़क मार्ग के किनारें वृहद वृक्षारोपण कराया जाए, जिसमें ज्यादा ऊँचाई वाले छायादार वृक्ष लगवाये जाए। उप श्रमायुक्त, सहारनपुर मण्डल को निर्देश दिये गये कि साईट का विजीट कर यहाँ कार्य कर रही लेबर के पंजीकरण की स्थिति देख ले और जिन श्रमिकों का पंजीकरण नहीं हुआ है उनका पंजीकरण कराते हुए, विभागीय योजनाओं से श्रमिकों को लाभान्वित कराना सुनिश्चित करें। मण्डलायुक्त द्वारा कार्यदायी संस्था व क्रीड़ा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि शासन के निर्देशों के अनुपालन में स्पोर्टस कॉलेज को माह अगस्त-2024 में क्रियाशील किया जाना है। इसलिये युद्ध स्तर पर कार्य पूर्ण कराये जाये। निरीक्षण के समय संयुक्त विकास आयुक्त, सहारनपुर मण्डल, अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सहारनपुर, क्षेत्रीय कीडा अधिकारी, सहारनपुर, तहसीलदार, बेहट व कार्यदायी संस्था के परियोजना प्रबन्धक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों ने देवबंद इंस्पेक्टर से क्षेत्र में नलकूपों पर हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाने की मांग की

इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रदीप, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष अंकित त्यागी, व अन्य मौजूद रहे

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर। देवबंद, भारतीय किसान यूनियन (महाशक्ति) से जुड़े किसानों ने देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार से मुलाकात कर क्षेत्र में नलकूपों पर हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश के लिए ठोस कदम उठाए जाने की मांग की। संगठन के पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष प्रियदीप ने कहा कि क्षेत्र में नलकूप चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही है। लेकिन इस तरफ पुलिस अब तक कोई भी प्रभावी करवाई नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस-प्रशासन को चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए। प्रदेश महासचिव अरविंद त्यागी ने कहा कि गांव कुरड़ी में ही पिछले कुछ दिनों में नलकूपों पर पर चोरी की तीन-चार घटनाएं हो चुकी हैं। कार्रवाई तो दूर जांच के लिए पुलिस मौके पर भी नहीं पहुंच रही है, जिससे किसानों में रोष बना हुआ है। कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने किसानों को उचित आश्वासन दिया। इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रदीप, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष अंकित त्यागी, मंडल उपाध्यक्ष अजय त्यागी, प्रहलाद त्यागी, रविंद्र त्यागी, हिमांशु गुर्जर, आदेश त्यागी, कर्मवीर, कुंटू त्यागी और प्रतीश त्यागी आदि मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा व जिला प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का देवबंद में डॉ पवन संवई के आवास पर पटका पहनाकर व पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत व अभिनन्दन किया गया

भाजपा जिला मंत्री विपिन भारतीय द्वारा प्रभारी मंत्री को देवबंद से लगे हुए टोल प्लाजा से हो रही समस्या से अवगत कराया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ।
सहारनपुर । देवबंद, उत्तर प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री व जिला प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का जिला महामंत्री डॉ पवन संवई के आवास देवबंद पर स्वागत व अभिनन्दन किया गया। सहारनपुर के जिला प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का देवबंद आगमन हुआ। जिला महामंत्री डॉ. पवन सवई के निवास पर जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने मुख्य अतिथि योगेन्द्र उपाध्याय का पटका पहनाकर व पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया ।भाजपा जिला मंत्री विपिन भारतीय द्वारा प्रभारी मंत्री को देवबंद से लगे हुए टोल प्लाजा से हो रही समस्या से अवगत कराया गया। इस दौरान छात्रों के हित में राजकीय डिग्री कॉलेज देवबंद में साइंस एवं बायोलॉजी की क्लास को शुरू कराए जाने की

मांग भी रखी गई। पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक वर्मा ने जीतगिरी मंदिर के सामने की सड़क के चौड़ीकरण का मुद्दा भी उठाया। क्षेत्र की सभी समस्याओं को सुनकर कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि वह जल्द ही इन समस्याओं का निराकरण कराने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर उन्हें अवगत कराते हुए निराकरण कराने का काम करेंगे। इसके बाद प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने देवबंद के विख्यात माँ श्री त्रिपुर बाला सुंदरी सिद्धपीठ मंदिर में दर्शन कर देवी माँ का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष डा. महेंद्र सैनी, डॉ. नरेश संवई, बिरम सिंह सैनी, विपिन भारतीय, अशोक वर्मा, नितिन गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बाढ़ से आयोवा में लोग घर छोड़ने के लिए मजबूर

अमेरिका के अधिकतर हिस्से में भीषण गर्मी

वाशिंगटन= अमेरिका के आयोवा राज्य में कई दिन से हो रही बारिश के कारण आई बाढ़ से लोगों को अपने घर को छोड़ कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है वहीं अमेरिका के अधिकांश हिस्से अब भी भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। आयोवा के रॉक वैली में सुबह 2 बजे सायरन बजने लगे और लोगों को घर छोड़ कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया और उन्हें बताया गया कि क्षेत्र की नदी 'रॉक% में बारिश के कारण जलस्तर बढ़ गया है और यह तटों को तोड़ते हुए शहर में घुस रहा है। मेयर केविन वान ओटरलू ने कहा कि एक सरकारी हेलीकॉप्टर मदद के लिए आ रहा था लेकिन यह देखा गया कि नावें जलमग्न इलाकों

में निवासियों तक पहुंचने में सक्षम हैं तो उसे वापस बुला लिया गया। उन्होंने कहा, ''हमारे यहां बहुत बारिश हुई है। कल रात डेढ़ घंटे में चार इंच बारिश हुई।%% गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने उत्तरी आयोवा के 21 काउंटी के लिए आपदा की घोषणा की है, जिसमें सिउक्स काउंटी भी शामिल है और रॉक वैली उसी में आता है। स्थानीय शेरिफ ने ड्रोन से लिए गए वीडियो पोस्ट किए जिसमें कोई सड़क दिखाई नहीं दे रही, केवल छतें और पेड़ों की चोटियां पानी से ऊपर दिखाई दे रही हैं। अमेरिका के अन्य हिस्सों में तेज गर्मी और उमस के हालात हैं। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा कि लगभग डेढ़ करोड़ लोग ऐसे स्थानों पर हैं जहां के लिए 'गर्मी की चेतावनी% जारी की गई है वहीं नौ करोड़ लोग ऐसे स्थान पर हैं जहां के लिए गर्मी की थोड़ी कम स्तर की चेतावनी जारी की गई है। देश भर में लाखों लोगों का जीवन तेज गर्मी के कारण अस्त-व्यस्त हो गया है। वाशिंगटन और रिचमंड, वर्जीनिया में लगभग 100 डिग्री फारेनहाइट (37.8 डिग्री सेल्सियस) तापमान का पूर्वानुमान व्यक्त गया है, जबकि फिलाडेल्फिया, न्यू जर्सी और डेट्रॉयट में 90 डिग्री सेल्सियस तापमान रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है।

उत्तरी गाजा में इजराइल के हवाई हमलों में 39 लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क: उत्तरी में गाजा में शनिवार को इजराइल के हवाई हमलों में कम से कम से 39 लोगों की मौत हो गई। फलस्तीन और अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गाजा शहर के अल-अहली अस्पताल के निदेशक फदेल नाईम ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि अस्पताल में तीन दर्जन से अधिक शव पहुंचे हैं। गाजा में मौजूद आपातकालीन समूह फलस्तीनी सिविल डिफेंस ने कहा कि उसने गाजा शहर के

पूर्वी इलाके में इजराइली हमले से प्रभावित एक इमारत से लगभग इतनी ही संख्या में शव निकाले हैं।

संरा महासचिव गुतारेस बोले- योग संतुलन सजगता और शांति के जरिए लोगों को जोड़ता

इंटरनेशनल डेस्क= संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि योग संतुलन, सजगता और शांति जैसे अपने मूल्यों से लोगों को जोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि योग की जड़ें भारत में हैं, लेकिन अब दुनिया भर में इसे अपना लिया गया है। दसवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अपने संदेश में गुतारेस ने लोगों से योग के शाश्वत मूल्यों से शांतिपूर्ण एवं सामंजस्यपूर्ण भविष्य के लिए प्रेरणा लेने का आग्रह किया। योग की जड़ें भारत में हैं, लेकिन अब...बता दें कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तौर पर मनाए जाने का ऐलान किया था। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता देने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा के मसौदा प्रस्ताव को भारत ने प्रस्तावित किया था और 175 सदस्य देशों ने इसका समर्थन किया था। गुतारेस ने शुक्रवार को कहा, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस स्वस्थ बनाने, शांति प्रदान करे, आध्यात्मिक और मानसिक आरोग्य प्रदान करने में इस प्राचीन पद्धति की अद्वितीय

क्षमता को मान्यता देता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा x पर पोस्ट किए गए संदेश में गुतारेस ने कहा, वैसे तो योग की जड़ें भारत में हैं लेकिन अब यह दुनिया भर के सभी धर्मों और संस्कृतियों के लोगों द्वारा अपनाया जा रहा है, जो संतुलन, सजगता और शांति के मूल्यों के साथ लोगों को जोड़ रहा है।

पिछले साल मोदी ने की थी योग दिवस के कार्यक्रम में शिरकत

उन्होंने कहा कि 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विषय स्वयं और समाज के लिए योग था, जो हमें लोगों के जीवन और समुदाय को बेहतर बनाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने कहा, इस महत्वपूर्ण दिवस पर, अब हमें योग के शाश्वत मूल्यों व अधिक शांतिपूर्ण तथा सामंजस्यपूर्ण भविष्य के प्रति इसके आह्वान से प्रेरित होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के उत्तरी लॉन क्षेत्र में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। पिछले साल इसी स्थान पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग दिवस के कार्यक्रम का नेतृत्व किया था।

ब्रिटेन का सबसे धनी हिंदुजा परिवार स्विटजरलैंड कोर्ट के फैसले से स्तब्ध, दायर की अपील

लंदन= ब्रिटेन के सबसे धनी परिवार हिंदुजा ने कहा है कि वह अपने कुछ सदस्यों को स्विटजरलैंड की अदालत द्वारा जेल की सजा सुनाये जाने के फैसले से स्तब्ध है और उन्होंने इसके खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील दायर कर इस निर्णय को चुनौती दी है। स्विस अदालत ने हिंदुजा परिवार के चार सदस्यों को जिनेवा स्थित अपने विला में घरेलू सहायकों का शोषण करने का दोषी पाया था। शुक्रवार को परिवार की ओर से जारी एक बयान में स्विट्जरलैंड के वकीलों ने अपने मुवक्किलों का बचाव करते हुए कहा कि प्रकाश और कमल हिंदुजा (दोनों की आयु 70 वर्ष) तथा उनके बेटे अजय और उनकी पत्नी नम्रता को मानव तस्करी के सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है। उन्होंने जिनेवा स्थित अदालत के आदेश के बाद परिवार के किसी भी सदस्य को हिरासत में लिए जाने के मीडिया

रिपोर्ट को भी खारिज कर दिया। वकील येल हयात, रॉबर्ट असैल और रोमन जॉर्डन द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया है, हमारे मुवक्किलों को मानव तस्करी के सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है। प्रथम दृष्टया, इस अदालत में लिये गये बाकी निर्णय से हम स्तब्ध व निराश हैं और हमने निश्चित रूप से उपरी अदालत में अपील दायर की है, जिससे फैसले का यह हिस्सा प्रभावी नहीं होगा। स्विट्जरलैंड की एक आपराधिक अदालत ने शुक्रवार को हिंदुजा परिवार के चार सदस्यों को घरेलू सहायकों का शोषण करने के मामले में चार से साढ़े चार साल तक की जेल की सजा सुनाई। अदालत ने साथ ही, मानव तस्करी के आरोपों को खारिज कर दिया। भारतीय मूल के उद्योगपति प्रकाश हिंदुजा और उनकी पत्नी, बेटे व पुत्रवधू पर अपने नौकरों की तस्करी का आरोप लगाया गया था, जो जिनेवा में उनके आलीशान विला में काम करते थे। चारों आरोपी जिनेवा की अदालत में मौजूद नहीं थे, हालांकि परिवार का व्यवसाय प्रबंधक और पांचवां आरोपी नजीब जियाजी अदालत में मौजूद था। उसे 18 महीने की सजा सुनाई गई जो निलंबित रखी गई है। अदालत ने कहा कि चारों व्यक्ति कर्मचारियों का शोषण करने और अनधिकृत रोजगार देने के दोषी हैं। अदालत ने तस्करी के आरोपों को इस आधार पर खारिज कर दिया कि कर्मचारी अपनी इछा से काम कर रहे थे। हिंदुजा परिवार के चार सदस्यों पर आरोप लगाया गया था कि वे कर्मचारियों के पासपोर्ट जब्त कर लेते थे, उन्हें स्विस फ्रैंक के बजाय रुपयों में भुगतान करते थे, विला से बाहर जाने से रोकते थे और स्विट्जरलैंड में उन्हें बहुत कम पैसे के लिए लंबे समय तक कष्टदायी ढंग से काम करने के

तेलंगाना में किसानों का हुआ कर्ज माफ राहुल गांधी बोले- जो कहा, कर दिखाया...

नेशनल डेस्क = कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना में किसानों के दो लाख रुपये के कर्ज माफ किए जाने की घोषणा को ऐतिहासिक करार देते हुए शनिवार को कहा कि जहां भी उनकी पार्टी की सरकार होगी, वहां हिंदुस्तान का धन पूंजीपतियों पर नहीं, बल्कि 'हिंदुस्तानियों पर खर्च किया जाएगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को राय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा था कि 12 दिसंबर, 2018 से नौ दिसंबर, 2023 के बीच जिन किसानों ने दो लाख रुपये तक का कर्ज लिया है, उन्हें एकमुश्त माफ कर दिया जाएगा। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, तेलंगाना के 40 लाख से ज्यादा किसान परिवारों को कांग्रेस के नेतृत्व वाली राय सरकार ने कर्ज़ मुक्त बनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। 16 साल पहले, कांग्रेस नीत संप्रग सरकार ने 3.73 करोड़ किसानों का 72,000 करोड़ रुपये का कृषि ऋण व ब्याज़ माफ़ किया था। उसके बाद, हमने कांग्रेस शासित कई रायों में किसानों का कर्ज़ माफ़ किया। उन्होंने कहा, एक तरफ़, जहां मोदी सरकार ने देश के किसानों पर तीन काले कानून थोपे, उन्हें कंटीली तारों, ड्रोन से आंसू गैस, रबर बुलेट व लाठी-गोली चलाकर महीनों तक सताया। वहीं दूसरी ओर, कांग्रेस पार्टी ने किसान न्याय के तहत सही दाम, कर्ज़ माफ़ी आयोग, बीमा भुगतान का सीधा हस्तांतरण व उपयुक्त कृषि आयात-निर्यात नीति की गारंटी दी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हमारा यह एजेंडा कायम रहेगा। जय किसान, जय हिंदुस्तान। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, तेलंगाना के किसान परिवारों को बधाई! कांग्रेस सरकार ने आपके दो लाख रुपये तक के सभी ऋण माफ कर 'किसान न्याय के संकल्प को पूरा करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ाया है - जो 40 लाख से अधिक किसान परिवारों को कर्ज़ मुक्त बनाएगा। उन्होंने कहा, जो कहा, कर के दिखाया - यही नियत है और आदत भी। कांग्रेस सरकार का मतलब है - राय का खजाना किसानों और मज़दूरों समेत वंचित समाज को मज़बूत बनाने में खर्च होने की गारंटी, जिसका उदाहरण तेलंगाना सरकार का यह फैसला है। कांग्रेस नेता ने कहा, हमारा वादा है - कांग्रेस जहां भी सरकार में होगी, हिंदुस्तान का धन 'हिंदुस्तानियों पर खर्च करेगी, 'पूंजीपतियों पर नहीं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने एक्स पर पोस्ट किया, तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी ने किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया था। उस वादे को पूरा करते हुए हमारी तेलंगाना सरकार ने फैसला लिया है कि किसानों के कर्ज माफ किए जाएंगे। इससे कर्ज में डूबे 40 लाख किसानों को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा, कांग्रेस मानती है कि देश का सारा धन देश की जनता का है और उसे जनता की भलाई में ही खर्च किया जाना चाहिए। हमने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी किसानों का कर्ज माफ किया था। जब केंद्र में हमारी सरकार थी तो देश भर के किसानों का 72,000 करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया गया था। प्रियंका ने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों, मजदूरों, आदिवासियों, दलितों, वंचितों और मध्य वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

यौन उत्पीड़न के आरोप में प्रज्वल रेवन्ना के भाई को गिरफ्तार किया

नेशनल डेस्क= कर्नाटक पुलिस ने रविवार को यौन उत्पीड़न के एक मामले में यौन अपराध के आरोपी पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के भाई, जनता दल (सेक्युलर) के एमएलसी सूरज रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की यह कार्रवाई जद (एस) कार्यकर्ता द्वारा शनिवार को हासन जिले के होलेनरसीपुरा पुलिस स्टेशन में सूरज के खिलाफ मामला दर्ज कराने के बाद आई, जिसमें आरोप लगाया गया कि 16 जून को उसके फार्महाउस पर उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया था। शिकायतकर्ता ने कहा कि सूरज रेवन्ना ने उसे अपने फार्महाउस पर बुलाया था और उसने जबरदस्ती उसे चूमा और उसके

होंठ और गालों को काट लिया। शिकायत मिलने के बाद, हसन पुलिस ने अप्राकृतिक यौन कृत्य से संबंधित भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 377 के तहत मामला दर्ज किया।

उस व्यक्ति ने आरोप लगाया कि सूरज ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया, जिसके बाद उसने उससे कहा कि वह जिले में राजनीतिक रूप से बढ़ने में उसकी मदद करेगा। उन्होंने शिकायत में कहा कि उन्होंने बाद में घटना के बारे में सूरज को मैसेज किया था और सूरज ने जवाब दिया था, चिंता मत करो, सब कुछ ठीक हो जाएगा।

इससे पहले शनिवार को, सूरज रेवन्ना और उनके परिचित शिवकुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें झूठे यौन उत्पीड़न के आरोप पर दो लोगों द्वारा ब्लैकमेल किया जा रहा था। शिवकुमार ने आरोप लगाया था कि एक व्यक्ति ने शुरू में उनसे दोस्ती की और वित्तीय संकट का हवाला देते हुए नौकरी हासिल करने में मदद का अनुरोध किया। शिवकुमार लोकसभा चुनाव के दौरान उन्हें सूरज से मिलवाने के लिए राजी हो गए।

कनाडा पुलिस ने कहा- एयर इंडिया 'कनिष्क उड़ान में बम विस्फोट की जांच अभी जारी

ओटावा= कनाडा की पुलिस ने कहा है कि एअर इंडिया की उड़ान संख्या-182 को बम से उड़ाने की जांच अब भी जारी है। पुलिस ने इसे आतंकवाद के मामले की सबसे लंबी और सबसे जटिल जांच में से एक बताया है। पुलिस ने यह टिप्पणी विमान को बम से उड़ाने के 39 साल पूरे होने से तीन दिन पहले की है। मॉन्ट्रियल-नयी दिल्ली एयर इंडिया 'कनिष्क उड़ान संख्या-182 में 23 जून 1985 को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले विस्फोट हो गया, जिससे विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए थे। इनमें यादातर भारतीय मूल के कनाडाई थे। यह बम सिख आतंकवादियों ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार के जवाब में रखा था।

यह अभियान अमृतसर में स्वर्ण मंदिर को आतंकवादियों से मुक्त कराने के लिए 1984 में चलाया गया था। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के सहायक आयुक्त डेविड टेबौल ने एक बयान में कहा कि बम विस्फोट की यह वारदात देश के इतिहास में कनाडाइयों की जान लेने वाली और उन्हें प्रभावित करने वाली आतंकवाद संबंधी सबसे भयावह घटना है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। टेबौल ने कहा कि एअर इंडिया बम विस्फोट मामले की तफ्तीश देश के इतिहास में सबसे लंबी और घरेलू आतंकवाद से संबंधित सबसे जटिल जांच में से एक है। उन्होंने कहा, ''घटना संबंधी जांच के हमारे प्रयास सक्रिय रूप से जारी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बम विस्फोट का प्रभाव समय के साथ कम नहीं हुआ है और इससे उत्पन्न आघात ने पीढ़ियों को प्रभावित किया है। टेबौल ने कहा, ''हमें इस त्रासदी और अन्य आतंकवादी कृत्यों में हुई निर्दोष लोगों की मौतों को कभी नहीं भूलना चाहिए। वैंकूवर और टोरंटो स्थित भारत के वाणिय दूतावासों ने बम विस्फोट की वर्षगांठ पर

स्मृति सभाएं आयोजित करने की योजना बनाई है। उधर, भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्रा आर्य ने गुरुवार को 1985 के एयर इंडिया बम विस्फोट को याद किया, जिसमें 329 लोगों की जान चली गई थी, और कहा कि आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार विचारधारा अभी भी कनाडा में कुछ लोगों के बीच जीवित है। कनाडाई संसद में बोलते हुए श्री आर्य ने कहा कि खालिस्तानी समर्थकों द्वारा पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाना दर्शाता है कि अंधेरी ताकतें फिर से सक्रिय हो गई हैं। उन्होंने हाल की घटनाओं के संबंध में हिंदू कनाडाई लोगों की चिंताओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, अध्यक्ष महोदय, 23 जून आतंकवाद के पीड़ितों की याद का राष्ट्रीय दिवस है। 39 वर्ष पहले, इसी दिन, एयर इंडिया की उड़ान संख्या 182 को कनाडा के खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा लगाए गए बम से दोपहर में उड़ा दिया गया था। इसमें सभी 329 यात्री और चालक दल के सदस्य मारे गए थे और यह कनाडा के इतिहास में सबसे बड़ा सामूहिक हत्याकांड है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569